सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 116 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 8 फरवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

आरबीआई एमपीसी ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति मुंबई में मंगलवार को शुरू हुई तीन दिवसीय बैठक के बाद 8 फरवरी को रेपो दरों पर अपने फैसले का खुलसा किया। गुरुवार सुबह 10 बजे आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास एमपीसी के फैसले का ऐलान किया। आरबीआई एमपीसी ने फरवरी 2024 तक लगातार छठी बार रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा है। बेंचमार्क ब्याज़ दर को पिछली बार फरवरी 2023 में बढ़ाया गया था, उस समय इसे 6.25 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्तमान 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। इससे पहले, इसने मई 2022 से फरवरी 2023 तक रेपो दर में 250 आधार अंकों की वृद्धि की गई थी।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद अपने संबोधन में बताया कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया है। महंगाई में कमी आती दिख रही है। उन्होंने कहा कि इस बार की बैठक में विस्तार से चर्चा के बाद एमपीसी ने फैसला किया है कि रेपो रेट को अभी 6.5 फीसदी पर ही स्थिर रखा जाए। छह में से पांच सदस्य इसके समर्थन में रहे।

आरबीआई गवर्नर बोले- भारत का फाइनेंशियल सेक्टर बहुत मजबूत

एमपीसी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि मैं सबको आश्वासन देना चाहता हूं। भारत का फाइनेंशियल सेक्टर बहुत मजबूत हैं। बैंकों और एनबीएफसी के प्रदर्शन व आंकड़े मजबूत हैं। वित्तीय संस्थानों के विकास दर में मोमेंटम है। हम एक नियामक के तौर पर अपना काम करते रहते हैं। हमारी कोशिश रहती है कि हम वित्तीय संस्थानों के साथ सीधे संवाद में रहे। हम उनको बताते हैं कि कहां खामियां हैं, कहां-कहां दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया है। हम उन्हें समय देकर खामियों को सही करने के लिए कहते हैं। जहां समय पर कदम नहीं उठाया जाता है, वहां हमें आम लोगों के हित में, ग्राहकों और जमाकर्ताओं के हित में और वित्तीय संस्थानों के हित में कदम उठाना पड़ता है।

पेटीएम संकट के बीच 11 लाख खुदरा निवेशकों का पैसा फंसा

नई दिल्ली। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर आरबीआई की सख्ती के बाद पेटीएम के शेयर तीन कारोबारी सत्रों में 42 फीसदी टूट चुके हैं। हालांकि, मंगलवार को कंपनी के शेयर में पांच फीसदी तक उछाल देखने को मिला। इस तेजी के बावजूद कंपनी और उसके निवेशकों पर संकट बना हुआ है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक के कामकाज में अनियमितताएं दुरुस्त करने की आरबीआई की चेतावनी की लगातार अनदेखी करने वाली पेटीएम के शेयरों में 11 लाख खुदरा और 514 विदेशी निवेशकों का पैसा फंसा हुआ है। इसके अलावा, म्यूचुअल फंड की 97 योजनाओं के जरिये भी निवेशकों की गाढ़ी कमाई फंसी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में पेटीएम में म्यूचुअल फंडों की हिस्सेदारी बढ़कर 4.99 फीसदी पहुंच गई।

इसी महीने कई सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर सकती है भाजपा, मार्च में लगेगी आचार संहिता

भाजपा के दावेदारों की कुंडली तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की तैयारियां अंतिम पड़ाव पर है। पार्टी ने राज्य की ज्यादातर सीटों के लिए प्रत्याशियों की कुंडली तैयार कर ली है। लोकसभा चुनाव के पर्यवेक्षकों ने प्रदेश प्रभारी ओम माथुर व सह प्रभारी नितिन नबीन को अपनी रिपोर्ट सौंपी है। फिलहाल बस्तर, सरगुजा, बिलासपुर, कोरबा और रायगढ़ सीटों से संबंधित रिपोर्ट दिए जाने की खबर है। इसी से अनुमान लगाया जा रहा है कि भाजपा इन सीटों पर पहले प्रत्याशी घोषित कर सकती है। अगले महीने आचार संहिता लगने जा रही है। इससे पहले ही सारे प्रत्याशियों का ऐलान कर दिए जाने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश के प्रभारी ओम माथुर और सह प्रभारी नितिन नवीन के छत्तीसगढ़ पहुंचने के बाद पर्यवेक्षकों ने उन्हें अपनी रिपोर्ट दे दी है। पार्टी ने लोकसभा पर्यवेक्षकों को चुनाव की तैयारी के संबंध में आवश्यक जानकारी तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी थी, जिस पर उन्होंने काम पूरा कर लिया है। लोकसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर छत्तीसगढ़ में भाजपा के प्रभारी और सह प्रभारी ने लोकसभा पर्यवेक्षक बनाकर क्षेत्र में भेजा था। जहां उन्हें चुनाव के संबंध में जानकारी तैयार करने के साथ-साथ क्षेत्र में भाजपा की स्थिति को लेकर विस्तार से जानकारी तैयार करनी थी। इसके साथ ही लोकसभा में कौंन-सा जीतने वाला चेहरा है, अगर उन्हें टिकट दिया जाए तो क्यों दिया जाए, इन सभी बिंदु पर चर्चा करने की बात की गई थी। इन मुद्दों को लेकर भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी ने मिलकर सभी लोकसभा क्षेत्र के पर्यवेक्षकों के साथ लंबी चर्चा भी की।

आज चुनाव समिति की बैठक

जिन मुद्दों को लेकर पार्टी ने पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की थी, उन पर पर्यवेक्षकों ने बेहतर काम किया है। पार्टी ने कोरबा लोकसभा क्षेत्र में विधायक पुन्नू लाल मोहले, भूपेंद्र सवन्नी और सौरभ सिंह, बस्तर लोकसभा क्षेत्र के लिए मधुसूदन यादव, राजनीश सिंह और निरंजन सिंह, सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के लिए धरमलाल कौशिक, भैयालाल राजवाड़े और चंपा देवी पावले तो वहीं बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए शिवरतन शर्मा, कृष्णा राय और लक्ष्मी वर्मा और रायगढ़ लोकसभा के लिए गौरीशंकर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह और सरल कोसरिया को जिम्मेदारी दी गई थी। इन सभी नेताओं ने अपने-अपने लोकसभा की पूरी रिपोर्ट बनाकर प्रभारी को सौंप दी है। प्रदेश भाजपा कार्यालय में ाज ही शाम को चुनाव समिति की बैठक होनी है। इसमें प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा होगी। वहीं पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर प्रत्याशियों के नामों पर सहमति बनाने की भी कोशिश होगी। इन्हीं नामों को हाईकमान को भेजा जाएगा।

टारगेट में सभी 11 सीटें

पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश की मौजूदगी में हाल ही में क्लस्टर प्रभारियों की बैठक हुई थी। छत्तीसगढ़ को कुल 3 क्लस्टरों में बांटा गया है। शिव प्रकाश ने तीनों क्लस्टरों के साथ ही लोकसभा के प्रभारी, सह प्रभारी, संयोजक और सह संयोजकों के साथ बैठक कर लोकसभावार पूरी जानकारियां ली थी। लोकसभा के दावेदारों को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में सर्वे करवाया था। इस सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर भी शिव प्रकाश ने यह जानने का प्रयास किया कि दावेदारों में सबसे बेहतर कौन है। इसकी रिपोर्ट भी हाईकमान को भेज दी गई थी। बताते हैं कि दिल्ली में भी केन्द्रीय चुनाव की बैठक अभी दो दिन पहले ही हुई है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने देशभर की लोकसभा सीटों को कुल 146 क्लस्टरों में बांटा था। इनमें से 3 क्लस्टर छत्तीसगढ़ में बनाए गए थे। दरअसल, पार्टी नेतृत्व प्रत्याशी चयन को लेकर कहीं कोई कमी नहीं रखना चाहता है। इसीलिए तमाम तरह के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि राज्य की सभी 11 सीटों को फतह किया जा सके।

विस वाली रणनीति पर अमल

भाजपा विधानसभा चुनाव वाली रणनीति के मुताबिक ही लोकसभा का चुनाव भी लड़ सकती है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आचार संहिता से पहले ही कई सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया जा सकता है। विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी ने अपनी पहली लिस्ट आचार संहिता लगने से पहले ही कर दी थी। लोकसभा चुनाव के लिए अभी करीब दो महीने का समय है। मार्च में आचार संहिता लग सकती है लेकिन बीजेपी की रणनीति है कि लोकसभा चुनाव की आचार संहिता से पहले ही बीजेपी अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाए। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 सीटें हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 9 सीटों पर जीत मिली थी। विधानसभा चुनाव के रिजल्ट पर गौर करें तो 4 ऐसी लोकसभा सीटें हैं जहां बीजेपी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पार्टी की कवायद इन्हीं 4 सीटों को लेकर है। विस चुनाव में जांजगीर चांपा, कोरबा, महासमुंद और कांकेर लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी का परफारमेंस कुछ कमजोर रहा था। जांजगीर-चांपा लोकसभा सीट में तो बीजेपी के खाते में एक भी विधानसभा सीट नहीं आई थी।

बस्तर से सामने आए थे 20 नाम

बस्तर लोकसभा सीट से टिकट के लिए करीब 20 दावेदारों के नाम सामने आए थे। इनमें से ज्यादातर नाम पूर्व मंत्रियों और पूर्व विधायकों के हैं। पिछले दिनों पर्यवेक्षक मधुसूदन यादव, बस्तर लोकसभा प्रभारी रजनीश सिंह व सह प्रभारी निरंजन सिंह ने यहां का दौरा कर पार्टी पदाधिकारियों और दावेदारों के साथ बंद कमरे में चर्चा की थी। बस्तर भी उन सीटों में शुमार है, जहां प्रत्याशी की घोषणा पहले ही करने की तैयारी है। बस्तर लोकसभा क्षेत्रांतर्गत कुल 6 जिले आते हैं। बताते हैं कि कई जिलों के नेताओं का कहना था कि संभागीय मुख्यालय जगदलपुर से प्रत्याशी दिया जाए, ताकि लोगों को सांसद से मिलने में आसानी हो। पर्यवेक्षकों ने अलग-अलग सभी दावेदारों से भी चर्चा की थी। अब यह रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी को सौंपी जा चुकी है। माना जा रहा है कि आज होने वाली चुनाव समिति की बैठक में बस्तर संसदीय क्षेत्र पर प्रमुखता से चर्चा होगी। पार्टी के सूत्रों की मानें तो इस सीट को स्थानीय व प्रादेशिक नेतृत्व मुश्किल नहीं मान रहा है।

पीएम ने की मनमोहन सिंह की जमकर तारीफ कांग्रेस के 'ब्लैक पेपर' को बताया 'काला टीका'

- **राज्यसभा में विदाई कार्यक्रम के दौरान पीएम नरेन्द्र मोदी को किया संबोधित**
- **राज्यसभा के कई सदस्यों का कार्यकाल हुआ पूरा, दी गई उन्हें विदाई**

नई दिल्ली। राज्यसभा में कई सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। जिन सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी शामिल हैं। राज्यसभा से रिटायर हो रहे सदस्यों के लिए गुरुवार राज्यसभा में विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी भी राज्यसभा पहुंचे। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की जमकर तारीफ की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मुझे याद है जब वोटिंग के दौरान, ये तय था कि सत्ता पक्ष जीतेगा फिर भी डॉ. मनमोहन सिंह व्हीलचेयर पर सदन में आए और अपना वोट दिया। ये अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सतर्कता का उदाहरण है। सवाल ये नहीं है कि वो किस को ताकत देने आए थे। मैं मानता हूं कि वो लोकतंत्र को ताकत देने आए थे।' मनमोहन सिंह छह बार के सांसद हैं और वे साल 2004-2014 तक देश के 13वें प्रधानमंत्री रहे। पीवी नरसिम्हा की सरकार में मनमोहन सिंह वित्त मंत्री रहे थे और उन्हीं के कार्यकाल के दौरान देश की अर्थव्यवस्था में उदारीकरण का दौर शुरू हुआ।

कांग्रेस के ब्लैक पेपर को बताया 'काला टीका' बताया

कांग्रेस ने केन्द्र सरकार के श्वेत पत्र के जवाब में ब्लैक पेपर लाने का एलान किया है। इस पर चुटकी लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कांग्रेस का ब्लैक पेपर उनकी सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों के लिए काला टीका है। कुछ विपक्षी सदस्यों के बांह पर काली पट्टी बांधकर आने पर प्रधानमंत्री ने कहा हमने देखा कि राज्यसभा में कुछ सदस्य काले कपड़े पहनकर आए हैं और फैशन परेड चल रही है। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा से रिटायर हो रहे सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई पीढ़ी इनके अनुभव से कुछ सीख लेगी। राज्यसभा से फरवरी से मई के बीच में 68 सदस्य अपना कार्यकाल पूरा कर रिटायर हो जाएंगे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में छाया महादेव सट्टा ऐप का मुद्दा

विधायक रिकेश सेन ने कहा- महादेव ऐप के प्रमोटर सौरभ के बाराती भिलाई में खुलेआम घूम रहे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन महादेव सट्टा एप का मामला जमकर गूंजा है। विधायक रिकेश सेन, राजेश मूणत ने महादेव सट्टा ऐप मामले में दोषियों पर कार्रवाई का मुद्दा उठाया है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि भिलाई-दुर्ग क्षेत्र के 20 हजार से ज्यादा लोग इस मामले में जुड़े हैं, अधिकारी और पुलिस विभाग के लोग जुड़े हैं लेकिन सिर्फ 90 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महादेव ऐप के सभी आरोपी और बाराती आज भी भिलाई में खुलेआम घूम रहे हैं। ऐसे में कैसे कार्रवाई होगी?

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि जो भिलाई खेल और शिक्षाधानी के रूप में जाना जाता था, अब महादेव के रूप में पहचाना जाने लगा है। मेरा मूल प्रश्न यही है कि मेरी विधानसभा से बीस हजार से अधिक युवा इसमें संलिप्त है लेकिन इनके साथ कई प्रशासनिक अधिकारी भी महादेव ऐप के संरक्षक थे और उन्होंने खुद भी आईडी संचालन किया है।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि दुर्ग जिले में पिछले पांच वर्षों में लगातार ऐसे लोगों की पोस्टिंग रही है। पुलिस प्रशासन के लोगों के पास खुद के पास महादेव आईडी है, अधिकारियों के पास, राजनैतिक दल के अलग अलग नेताओं के पास महादेव आईडी है लेकिन आज तक केवल 90 छोटी मछलियों पर कार्रवाई कर उन्हें भी मुचलका कर छोड़ दिया गया। इसमें सहयोग करने वाले राजनीतिक लोगों और पुलिस अफसरों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और बताया गया कि तात्कालीन मुख्यमंत्री का भी इनको संरक्षण था। इसलिए अध्यक्ष महोदय महादेव ऐप के सौरभ चंद्राकर की शादी में जो अफसर और लोग बाराती बने थे उन पर भी कोई कार्रवाई अब तक नहीं हुई है। गृह मंत्री ने कहा बारातियों की लिस्टिंग हो रही है जबकि नेशनल मीडिया में सारी लिस्ट आ चुकी थी। महादेव ऐप के सभी आरोपी और बाराती आज भी भिलाई में खुलेआम घूम घूम रहे हैं, उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है और जो एडिशनल एसपी जिले में पोस्टिंग होकर, जो एसपी और आईजी खुद महादेव आईडी की प्रोटेक्शन मनी लेकर खुद भी आईडी चलाते रहे उन पर क्या कार्रवाई होगी?

गृह मंत्री विजय शर्मा ने दिया जवाब

गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सदस्य की चिंता वाजिब है, कानून कड़ा होना चाहिए और कानून की नजर में कोई छोटा या बड़ा हरगिज नहीं होना चाहिए। वैसे गिरफ्तारी के संदर्भ में उनके आंकड़े को मैं दुरुस्त कर दूं कि 482 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं, जिन अधिकारियों के संदर्भ में चर्चा है, ईडी के चालान के संदर्भ में लेने या सोशल मीडिया पर यह मीडिया पर प्रचलित सारे विषयों को लेकर के जो बात चल रही है, प्रमाणिकता की बात है एक बार प्रमाणित होने के बाद सदस्यों को इस विषय पर कार्यवाहियां होती दिखेंगी, उनको चिंता करने की आवश्यकता नहीं होगी।

आरोपियों पर होनी चाहिए बुलडोजर कार्रवाई

विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि गृहमंत्री को उत्तर प्रदेश जाकर योगीजी से बुलडोजर कार्रवाई की जानकारी लेनी चाहिये। चार-पांच लोगों का घर बुलडोजर से गिरवाईये, तो सब ठीक हो जायेगा। कितना नियम कायदों में चलोगे। यहां अब बुलडोजर टाइप कार्रवाई की जरूरत है। गृह मंत्री ने कहा ये मामला काफी संवेदनशील है। इस मामले में केंद्रीय एजेंसी जांच कर रही है। उन्होंने चालान पेश कर दिया है। एक बार जांच पूरी हो गयी, तो कार्रवाई होती दिखेगी। राजेश मूणत ने भी महादेव सट्टा ऐप मामले में दोषियों पर कार्रवाई का मुद्दा उठाया।

भागी बीवी का यूं घर लौट आना

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

भारतीय समाज के एक तबके में ऐसा आम होता है. बीवी किसी और के साथ भाग जाती है और फिर छह-आठ महिने की तफरीह के बाद लौट आती है। पता नहीं वह कोई आश्वासन देती है या नहीं, कोई कसम खाती है या नहीं पर परिवार फिर से एकजुट हो जाता है और गृहस्थी की गाड़ी चलती रहती है। पति अब पहले से कहीं ज्यादा सतर्क रहता है। वह बात-बात पर झल्लाता नहीं। चिढ़ता-कुढ़ता भी मन ही मन है। कोई बात पसंद नहीं आई या क्रोध आ गया तो जोर से हंस देता है। परिवार की सुरक्षा से दूर गई बीवी को भी आटे दाल का भाव पता लग जाता है। उसे यह भी समझ में आ जाता है कि गृहस्थी की जिम्मेदारी अकेले पुरुष की नहीं होती। कमाऊ अकेला पुरुष हो या स्त्री, जब तक गृहस्थी साझा रहती है, तभी तक वह स्वस्थ रहती है। एक सिर्फ मांग करे और दूसरा उसकी आपूर्ति की कोशिश करता-करता गल कर समाप्त हो जाए, तो ऐसी गृहस्थियों का टूट जाना ही बेहतर होता है। पर भारतीय समाज इसे स्वीकार नहीं करता। यहां डोली आती है तो अर्थी ही निकलती है। अब जबकि भारत में सनातन की बातें जोर पकड़ने लगी हैं तो इस परम्परा को भी पुनर्जीवित करने के प्रयास शुरू हो गये हैं। ताजा मामला नीतिश कुमार का है। माना कि 1995 से ही उनका गठबंधन एनडीए से रहा है पर एक महत्वाकांक्षी नेता के रूप में उनकी पहचान किसी से छिपी हुई नहीं है। पिछले पांच-सात महीनों से वो एनडीए में लौटने की कोशिश कर रहे थे। भाजपा के पैंतरे भी जग-जाहिर हैं। यदि दुश्मन स्वयं हथियार डालने का इच्छुक हो तो मरे को मारने में श्रम और ऊर्जा नष्ट करने की जहमत वह नहीं उठाती। महीनों की चर्चा के बाद अब नीतिश कुमार फाइनली एनडीए का हिस्सा बनने जा रहे हैं। उन्होंने बाकायदा वचन दिया है कि अब वो इधर-उधर मुंह नहीं मारेंगे और परिवार के सम्मान को ही अपना सम्मान मानेंगे। 2014 के बाद से ही धुर विरोधियों और आलोचकों का यूं भाजपा प्रवेश चल रहा है। ऐसा भी नहीं है कि ऐसे लोगों को भाजपा ने स्वीकार तो कर लिया हो पर उन्हें आले में रखकर भूल गई हो। यदि व्यक्ति काबिल हुआ तो उसे उसी सम्मान के साथ पार्टी ने स्वीकार किया है और उसे उसकी काबीलियत के अनुरूप दायित्व भी सौंपा है। इनमें से अधिकांश ने इन नए दायित्वों का भरपूर निर्वहन भी किया है। यही एक बात भाजपा से सीखने की है। ईसा से लेकर गांधी तक दुश्मन को माफ करने में यकीन करते थे। भाजपा इससे एक कदम आगे है। वह दुश्मन को माफ करने के साथ-साथ उसे हमराह बना लेती है। वह एक और एक ग्यारह के सिद्धांत में यकीन करती है। इस तरह काबिल नेताओं की चिल्हर पार्टियों को खत्म कर दो दलीय व्यवस्था स्थापित की जा सकती है।

संपादकीय

आरक्षण विमर्श

सर्वोच्च न्यायालय में आरक्षण पर फिर एक बार बहस छिड़ गई है, जिस पर सभी का ध्यान जाना स्वाभाविक है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की पीठ ने कहा कि भारतीय संविधान यह नहीं कहता कि हाशिये पर रहने वाले समूहों के लोग अक्षम हैं, जबकि अन्य समूहों के लोग सक्षम। पीठ ने यह भी कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के लिए आरक्षण सुसंगत है। वाकई, उन्हें आरक्षण की बड़ी जरूरत है और इसे आने वाले अनेक दशकों तक बनाए रखने में ही समाज का व्यापक हित है, किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने जिस दिशा में इशारा किया है, वह भी महत्वपूर्ण है और उस पर कदम उठाना भले आसान न हो, पर विचार का क्रम अवश्य जारी रहना चाहिए। वैसे यह सवाल नया नहीं है कि क्या जिन लोगों को आरक्षण का भरपूर लाभ मिल चुका है, वे आरक्षण का लाभ छोड़ने के लिए तैयार होंगे? हालांकि, ऐसी किसी भी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए ध्यान रखना होगा कि आरक्षण संबंधी कोई भी बिंदु अति संवेदनशील है और उस पर सहजता से कोई भी फैसला मुमकिन नहीं है।

> “ विडंबना है कि आरक्षण के विस्तार में ही राजनेता समाधान खोजते रहे हैं और आरक्षण को कागजों से उतारकर एक बड़ी वंचित आबादी तक पहुंचाना अभी भी आसान नहीं है। कुल मिलाकर, आरक्षण की मांग बहुत है और आपूर्ति कम, तभी तो विवाद का रास्ता चौड़ा हो रहा है, जिस पर फूंक-फूंककर कदम बढ़ाना है।

सर्वोच्च न्यायालय में कुछ न्यायाधीशों ने जो टिप्पणियां की हैं, उन पर विशेष रूप से गौर करने की जरूरत है। एक न्यायमूर्ति ने पंजाब के महाधिवक्ता से पूछा कि क्या राज्य सरकार एससी/एसटी वर्ग के भीतर कुछ उन उपजातियों को आरक्षण के लाभ के दायरे से बाहर रखने के पक्ष मेंहै, जिन्होंने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है और बराबरी पर आ गई हैं? क्या ऐसे लोगों को आरक्षण की सुविधा से बाहर आकर सामान्य श्रेणी के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष नहीं करना चाहिए? उनकी जगह, जो लोग पिछड़ों में भी पिछड़े हैं, उन्हें आरक्षण मिलना चाहिए। एक अन्य न्यायमूर्ति ने भी संकेत किया कि एक विशेष पिछड़े वर्ग के भीतर, जब कुछ जातियां एक निश्चित स्थिति तक पहुंच जाती हैं और अगड़ी जातियों के बराबर हो जाती हैं, तो उन्हें आरक्षण के लाभ से बाहर निकल जाना चाहिए। आप इन टिप्पणियों को सलाह कहिए या विचार, इन पर अमल का काम तो संसद या सरकार को ही करना है। अदालतों की अपनी सीमा है, उन्हें कोई भी फैसला कानून के दायरे में ही देना है।

भारत के प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने एक विषय तो छेड़ा है, मगर माकूल फैसला तो सरकारें अपने सियासी लाभ-हानि पर विचार करके ही लेंगी। बेशक, किसी से आरक्षण की सुविधा वापस लेने का कोई भी प्रबंध बड़े पैमाने पर विरोध की स्थिति पैदा कर सकता है। आरक्षण पाने वालों की स्वेच्छा से ही फैसला हो, तो ज्यादा सही है। इसके कुछ पहलू हैं, जिन पर सरकारों को विचार करना होगा। पहली बात, आरक्षण का लाभ हुआ है। दूसरी बात, यह कोई भी नहीं मानेगा कि उसे आरक्षण का पर्याप्त लाभ हो चुका है। तीसरी बात, यह हर कोई मानेगा कि आरक्षण का लाभ सबको नहीं मिला है, मतलब, आरक्षण से वंचितों की भी अभी ठीक-ठाक संख्या है। अब चौथी बात, दरअसल सवाल भी है कि विगत दशकों में तैयार हुए नए क्रीमी लेयर को आरक्षण छोड़ने के लिए कैसे तैयार किया जाए? विडंबना है कि आरक्षण के विस्तार में ही राजनेता समाधान खोजते रहे हैं और आरक्षण को कागजों से उतारकर एक बड़ी वंचित आबादी तक पहुंचाना अभी भी आसान नहीं है। कुल मिलाकर, आरक्षण की मांग बहुत है और आपूर्ति कम, तभी तो विवाद का रास्ता चौड़ा हो रहा है, जिस पर फूंक-फूंककर कदम बढ़ाना है।

जोखिम को समझना जरूरी

दीर्घकाल में अमेरिका की वित्तीय स्थिति और कमजोर होगी। यह बात फेडरल रिजर्व के प्रमुख ने स्वीकार की है। स्पष्टत: अमेरिकी संकट का पूरी दूनिया की वित्तीय व्यवस्था की मुसीबत डाल देगा। इस जोखिम से बचने की तैयारी अभी से की जानी चाहिए।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक- फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल ने एक ऐसी बात कही है, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए उभर रहे खतरे का संकेत मिलता है। एक इंटरव्यू में पॉवेल ने कहा- मैं ये बात कहूंगा कि अमेरिका जिस वित्तीय राह पर है, वह दीर्घकालिक नजरिए से टिकाऊ नहीं है। इसका सीधा अर्थ यह है कि अमेरिका सरकार पर कर्ज अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर की तुलना में अधिक से तेजी से बढ़ रहा है। यह उस बात की स्वीकारोक्ति है, जिसकी चर्चा अनेक विशेषज्ञ काफी समय से कर रहे हैं। अमेरिका सरकार पर कुल कर्ज 34 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो चुका है, जबकि अमेरिका की जीडीपी 24-25 ट्रिलियन डॉलर ही है। इस कर्ज में से 8.9 ट्रिलियन डॉलर अगले वर्ष चुकाने होंगे। इस बीच 2024 में अमेरिका राजकोषीय घाटा 1.4 ट्रिलियन डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया है। मतलब यह कि अमेरिका सरकार को खर्च चलाने और अपनी ऋण देनदारियां निभाने के लिए एक साल में दस ट्रिलियन डॉलर का और कर्ज लेना होगा। मतलब साल भर बाद कर्ज का बोझ और बढ़ा हुआ होगा।

इस बीच देश में ब्याज दरें घटाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया है कि इस साल चार कटौतियां की जा सकती हैँ। उस हाल में अमेरिकी बॉन्ड्स पर कम ब्याज मिलेगा, जिससे उनमें निवेशकों की दिलचस्पी घट सकती है। इस संभावना के मद्देनजर अभी ही विश्व बाजार में सोने की कीमत लगभग 2200 डॉलर प्रति औंस के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। यानी लोग स्वर्ण में पैसा लगाना अधिक लाभदायक मान रहे हैं। आशंका है कि इन कारणों से अमेरिकी सरकार को अपने बॉन्ड्स पर बाजार दर से अधिक ब्याज देना पड़ सकता है। इससे दीर्घकाल में उसकी वित्तीय स्थिति और कमजोर होगी। यही बात अब पॉवेल ने स्वीकार की है। चिंता की बात यह है कि अमेरिकी वित्तीय बाजार से विश्व अर्थव्यवस्था गहराई से जुड़ी हुई है। उसका संकट का नतीजा पूरी दूनिया की वित्तीय व्यवस्था की मुसीबत के रूप में सामने आएगा। इसलिए भारत सहित तमाम देशों को उससे बचने की तैयारी अभी से शुरू कर देनी चाहिए।

क्वाड अब प्राथमिकता नहीं

2018 में चीन के साथ शुरू हुए शीत युद्ध के क्रम में संभवत: अमेरिका को क्वाड की जरूरत महसूस हुई, तो इस समूह को खूब महत्त्व मिला। लेकिन अब बनी परिस्थितियों में यह समूह उसके लिए उतना अहम नहीं रह गया है। अमेरिका की इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत बनाया गया समूह- क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डॉयलॉग (क्वाड) अमेरिका की प्राथमिकता में नीचे चला गया है। इस बात का संकेत तो तभी मिल गया, जब पिछले महीने क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली आने से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इनकार कर दिया। इस कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह योजना कामयाब नहीं हो सकी कि क्वाड में शामिल अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के नेता 25 जनवरी को क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में साझा मुख्य अतिथि होंगे। अब नई दिल्ली स्थित अमेरिकी राजदूत एरिक गारसेटी स्पष्ट किया है कि क्वाड का संचालक की कुर्सी पर भारत विराजमान है और अमेरिका उसकी बगल की सीट पर बैठा है, जिसके पास सिर्फ भटकाव सुधार का हैंडल है। इसका अर्थ यह संदेश है कि क्वाड को क्या भूमिका देनी है, यह भारत खुद तय करे।

> “ अब ऐसा तो होने से रहा। फिर, कमर जावेद बाजवा से अब तक पाकिस्तानी फौज के रुख में बड़ा बदलाव आ चुका है। लिहाजा, भारत के साथ पाकिस्तान की छोटे स्तर पर बातचीत तो हो सकती है, मगर बड़े मसलों पर शायद ही चर्चा होगी। साल 2022 में बनी शहबाज शरीफसरकार का कार्यकाल इसका बड़ा संकेत है, जिसमें पाकिस्तान और भारत की आपसी तल्खियां बढ़ी ही हैं।

आज कौन सी राह चुनेगा पाकिस्तान

सुशांत सरीन, सीनियर फेलो, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन

आज (8 फरवरी) पाकिस्तान में नेशनल असेंबली की 266 सीटों के लिए मत डाले जा रहे हैं। यह कुल 336 सदस्यों का सदन है, जिसकी 70 सीटें महिलाओं और गैर-मुसलमानों के लिए आरक्षित रखी जाती हैं। इनका निर्वाचन 9 फरवरी को आ रहे जनादेश में जीतने वाली पार्टियां करेंगी। दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान इस आम चुनाव से एक नई इबारत लिखने जा रहा है। मगर क्या वास्तव में ऐसा ही है?

देखा जाए, तो यह चुनाव काफी महदूद किस्म का है। देश में सबसे लोकप्रिय इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को पूरी तरह से अलग-थलग कर दिया गया है। उसके आला नेता या तो जेल में हैं या फिर फौज व पुलिस से बचने के लिए जहां-तहां छिपे हुए हैं। जो थोड़े-बहुत बचे हैं, वे बतौर निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। यहां तक कि इस पार्टी के साधारण कार्यकर्ताओं को भी किसी न किसी तरह से परेशान किया जा रहा है।

स्पष्ट है कि फौज हर कीमत पर मनमाफिक नतीजे चाहती है। ऐसा वह पूर्व में भी कर चुकी है। मसलन, 1997 के चुनाव में बेनजीर भुट्टो (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी) को सत्ता से हटाने के लिए उसने तमाम दांव-पेच खेलकर नवाज शरीफ (पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज) के लिए मैदान खाली करवाया। इस बार भी यही माना जा रहा है कि मियां शरीफकी सदारत में पीएमएल-एन सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर सकती है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि फौज ने अन्य दलों का किस हद तक दमन किया।

फिलहाल, चुनाव नतीजों को लेकर तीन तरह की संभावनाएं जताई जा रही हैं। पहली, नवाज शरीफ को पूर्ण बहुमत मिल सकता है। हालांकि, तब भी वह बाकी दलों का साथ लेना चाहेंगे, क्योंकि पाकिस्तान की दुश्वारियों को दूर करने में उन्हें कई पार्टियों की जरूरत पड़ेगी। दूसरी संभावना यह है कि नवाज संभवत: पूर्ण बहुमत न हासिल न कर पाएं। तब उनके सहयोगी वे दल हो सकते हैं, जो फौज के इशारे पर चलते हैं। इनमें इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी, एमक्यूएम, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम जैसे दल हो सकते हैं। कुछ निर्दलीय सांसद भी नवाज का साथ दे सकते हैं, हालांकि इस बहुमत की डोर भी पूरी तरह से फौज के हाथों में रहेगी।

तीसरी संभावना अप्रत्याशित है, लेकिन असंभव भी नहीं। इससे सारा गणित बिगड़ सकता है।

मुमकिन है, निर्दलीय चुनाव लड़ रहे पीटीआई के उम्मीदवार इतनी बड़ी संख्या में चुनकर आ जाएं कि सत्ता-समीकरण उनके पक्ष में हो जाए। अगर ये 50-60 की संख्या में भी जीतकर आ जाएं और पीपीपी उम्मीद से कहीं अच्छा (अभी उसके 40-50 सीट जीतने की संभावना है) प्रदर्शन करते हुए 60-70 सीटें जीत ले, तो फौज का पूरा खेल बिगड़ सकता है। इसमें नजर इस पर भी बनी रहेगी कि तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान कैसा प्रदर्शन करती है, क्योंकि पंजाब और सिंध जैसे सूबों में यदि वह एकाध सीटें जीत सकी या नवाज शरीफ के वोट-बैंक में सेंध लगा सकी, तो पाकिस्तान का सियासी समीकरण काफी दिलचस्प बन जाएगा।

इन संभावित चुनावी नतीजों को दरकिनार करके यदि यह मान लें कि नवाज शरीफसत्ता में आ रहे हैं, तब भी पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति बहुत सुधरती नहीं दिख रही है। इसकी एक बड़ी वजह हालिया गठित स्पेशल इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन कौंसिल, यानी एसआईएफसी भी है। यह एक ऐसी संस्था है, जिसके सदस्य सियासतदान और फौज के अधिकारियों के साथ कुछ विशेषज्ञ हैं।

पाकिस्तान की सभी आर्थिक नीतियां यहीं से तय हो रही हैं। चूंकि नवाज शरीफ कुछ समय तक तो फौज के साथ कदमताल मिला सकते हैं, लेकिन उनके इतिहास को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि वह पूरी तरह से फौज की गोद में बैठना चाहेंगे। वह कहीं न कहीं अपनी मर्जी की करना चाहेंगे, जो फौज को गवारा नहीं होगा। ऐसे में, एसआईएफसी का हस्तक्षेप फौज और नवाज शरीफ सरकार के बीच खाई बढ़ाने का काम कर सकता है।

यही वजह है कि इमरान खान अब भी पाकिस्तान की राजनीति में बड़े खिलाड़ी बने रहेंगे। भले ही अभी उनको 14 साल की सजा सुनाई गई है, लेकिन अपील करने पर उनको कुछ रियायतें दी जा सकती हैं। बेशक, फौज यह चाहती है कि कम से कम 9 मई, 2023 की बगावत के लिए इमरान को सख्त सजा मिले, क्योंकि उस घटना में सैन्य ठिकानों पर इमरान समर्थकों ने धावा बोल दिया था, लेकिन नवाज शरीफके प्रति अविश्वास के कारण वह इमरान का विकल्प खुला रखना चाहती होगी। हालांकि, इसकी भी तब तक बहुत गुंजाइश नहीं लगती, जब तक फौज की बागडोर असीम मुनीर के हाथों में है।

साफ है, नई सरकार के पास अपनी पसंद का काम करने का बहुत मौका नहीं होगा। इससे पाकिस्तान की दुश्वारियां और बढ़ेंगी। पीएमएल-एन के घोषणापत्र से भी बहुत उम्मीद नहीं जगती। उसमें तमाम तरह के सपने जरूर दिखाए गए हैं, लेकिन उसकी रूपरेखा नहीं बताई गई है। ऐसा लगता है कि नवाज शरीफअब भी उसी दौर में जी रहे हैं, जब चीन, अरब देश या अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से पाकिस्तान को कई तरह की आर्थिक इमदाद मिल जाती थी। अब नई सरकार को वैश्विक कर्ज माफ करवाने होंगे या उनके भुगतान की मीयाद बढ़वानी होगी, जो कोई आसान काम नहीं।

मुश्किलें घरेलू मोर्चों पर भी आ सकती हैं। नेशनल असेंबली के साथ प्रांतों के भी चुनाव हो रहे हैं। लिहाजा, पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, सिंध और बलूचिस्तान में यदि पीएमएल-एन के विरोधी दलों की सरकारें बन गईं, तो पाकिस्तान के सामने विदेश नीति व सुरक्षा के मसले मुंह बाए खड़े रहेंगे। इन सबसे यही लगता है कि पाकिस्तान के मूल ढांचे को ध्वस्त किए बिना इस मुल्क को पटरी पर नहीं लाया जा सकता, लेकिन अभी यह कुव्वत किसी भी दल में नहीं दिख रही।

भारत इसीलिए पाकिस्तान की नई सरकार को लेकर बहुत उम्मीद नहीं बांधेगा। वैसे भी, पीएमएल-एन के घोषणापत्र में भारत से संबंध सुधारने की बात तभी कही गई है, जब नई दिल्ली कश्मीर में अनुच्छेद 370 की पुनर्बहाली करती है। अब ऐसा तो होने से रहा। फिर, कमर जावेद बाजवा से अब तक पाकिस्तानी फौज के रुख में बड़ा बदलाव आ चुका है। लिहाजा, भारत के साथ पाकिस्तान की छोटे स्तर पर बातचीत तो हो सकती है, मगर बड़े मसलों पर शायद ही चर्चा होगी। साल 2022 में बनी शहबाज शरीफ सरकार का कार्यकाल इसका बड़ा संकेत है, जिसमें पाकिस्तान और भारत की आपसी तल्खियां बढ़ी ही हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

देश की मुख्यधारा से अभी भी दूर कुछ आदिवासी समूह

अशोक भगत, समाजसेवी

देश की कुल आबादी का 8.6 प्रतिशत भाग आदिवासियों का है। मतलब, देश में 10 करोड़ से ज्यादा आदिवासी हैं, इनमें से लगभग 28 लाख ऐसे हैं, जो आज भी विकास की मुख्यधारा से दूर हैं। आदिवासियों की इतनी बड़ी संख्या भारत के विकास में प्रभावशाली हस्तक्षेप दर्ज नहीं करा पा रही है। एकात्म मानववाद के प्रणेता दीनदयाल उपाध्याय के शब्दों में कहें, तो ये भारतीय समाज के सबसे अंतिम पंक्ति के नागरिक हैं।

आंकड़े बताते हैं कि देश के कुल 83 चरमपंथी माओवादी आतंकवाद प्रभावित जिलों में से 42 अनुसूचित क्षेत्र के हैं। भारत सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक आंकड़े में बताया गया है कि इन आदिवासियों के कुल 75 समूह हैं, जो देश के 22 हजार गांवों में निवास करते हैं। जानकारों की मानें, तो आदिवासी, जो वन एवं दुर्गम पहाड़ों पर निवास करते हैं, इनके पास व्यावहारिक सोच और सशक्त सांस्कृतिक विरासत है। आधुनिक विकास योजनाओं से देश को लाभ तो हुआ है, पर आदिवासी समाज को इसका सबसे अधिक खामियाजा भी भुगतना पड़ा है।

बांध निर्माण की वजह से सबसे अधिक इसी समाज के लोगों का पलायन हुआ है। एक हालिया आधिकारिक आंकड़े में बताया गया है कि बांध निर्माण में पलायन करने वालों में से 40 प्रतिशत भाग आदिवासी समूहों का है। इस समुदाय की जितनी चिंता हमारी व्यवस्था को करनी चाहिए थी, उतनी नहीं हुई है। ध्यान रहे, विदेशी व विध्वंसक शक्तियां देश के उस भाग को अपना निशाना बनाती हैं, जो कमजोर होता है और उस देश की मुख्यधारा से दूर होता है। हमारे देश में भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में विदेशी शक्तियों द्वारा प्रायोजित षड्यंत्र प्रभावशाली है। इस क्षेत्र के नागरिकों को विश्वास दिलाना होगा कि यह देश उनका भी है। स्थानीय प्रशासन से

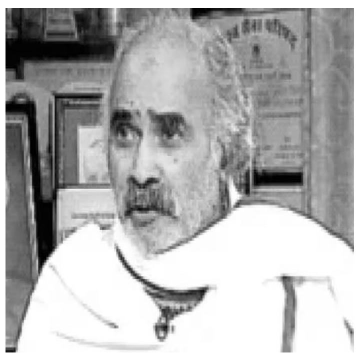

लेकर केंद्रीय शासन तक में उनका हस्तक्षेप दिखना चाहिए। अभी हम जिन सूक्ष्म आदिवासियों के 75 समूहों पर बात कर रहे हैं, उनको चिह्नित करने के लिए भारत सरकार ने एक मानदंड तय किया है। इसके तहत इन 75 आदिवासी समूहों में वे समूह आएंगे, जिनकी जनसंख्या लगातार घट रही है।

प्रारंभिक सरकारों ने इनके निवास स्थान पर ध्यान केंद्रित करने में रुचि नहीं दिखाई, फलस्वरूप ये विकास की दौड़ से अछूते रहे और बाहर हो गए। इन क्षेत्रों में मिशनरी गतिविधियां होती रहीं। बाद के दिनों में बड़ी परियोजनाओं के निर्माण में इनकी ही भूमि व निवास स्थल की आहूति दी गई। बची-खुची कसर उग्रवादी संगठनों के विस्तार ने पूरी की, जिन्होंने अपना ठिकाना इन्हीं क्षेत्रों में बनाया। विकास के हर चरण से यह समुदाय सर्वस्व होम करके बहुत लाभ में न रहा। भारत में जिस सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात होती रही है, उसके मूल में संस्कृति है और उस संस्कृति का मूल यही सूक्ष्म आदिवासी समूह हैं, जिनकी आस्था प्रकृति पूजा पर आधारित है। आज दुनिया जिस जलवायु परिवर्तन की समस्या से जूझ रही है, उसका समाधान भी इसी समाज के पास है।

गीत, संगीत और नृत्य के माध्यम से ये आदिवासी अपना ज्ञान अगली पीढ़ी को देते हैं। इसके लिए इनके पास एक संस्था भी होती है, जिसे घोटुल या धुमकुरिया के नाम से जाना जाता है। इस शैक्षणिक और सांस्कृतिक संस्था के अलग-अलग नाम हैं। रोजगार और कृषि कार्य की बारीकियों के लिए भी इन आदिवासियों ने अपने खुद के विज्ञान का सृजन कर रखा है। ऐसे में, इस समाज का विकास इनके मूल स्थान से और मूल संस्कृति से काटकर करना संभव नहीं होगा। इन्हें अपने मूल निवास पर रहने दिया जाए और वहीं हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्हें मिटाकर या छोड़कर आगे बढ़ने की नहीं, बल्कि साथ लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। वैसे, तुलनात्मक रूप से भारत में आदिवासियों का संरक्षण बेहतर ढंग से हुआ है और आबादी में उनका प्रतिशत 1951 की जनगणना के अनुसार 6.23 था, जो अब 8.6 फीसदी को पार कर रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका में आदिवासियों की संख्या घटते-घटते तीन प्रतिशत भी नहीं रह गई है। हमें आदिवासियों की ताकत बनकर खड़े रहना चाहिए, वे हमारे देश की शक्ति भी हैं और खूबसूरती भी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दिल्ली में दो सरकारों की लड़ाई

अजीत द्विवेदी

दिल्ली में सरकार की अनोखी व्यवस्था है। राजधानी दिल्ली में दो सरकारें हैं। एक दिल्ली के लोगों की चुनी हुई सरकार, जो विधानसभा के प्रति जिम्मेदार है और जिसके मुखिया अरविंद केजरीवाल हैं तो दूसरी केंद्र की सरकार, जो संसद के प्रति जिम्मेदार है और दिल्ली में जिसके मुखिया उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना हैं। केंद्र ने एक कानून बनाया है, जिसका नाम जीएनसीटीडी एक्ट यानी गवर्नमेंट ऑफ नेशनल टेरेटरी दिल्ली एक्ट है और इसके मुताबिक उप राज्यपाल ही असली सरकार हैं। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी राज्य में विपक्ष में है और राज्य में सत्तारूढ़ दल केंद्र में विपक्ष में है। इससे दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था और भी अनोखी हो गई है। जो सरकार में है वह विपक्ष में भी है और जो विपक्ष में है वह सरकार में भी है। इसलिए दोनों अपने को दिल्ली का मालिक मानते हैं और दिल्ली की सत्ता के लिए लड़ते रहते हैं। दोनों के बारे में एक और अनोखी बात यह है कि दोनों प्रचार की राजनीति और लड़ाई में माहिर हैं। इसका नतीजा यह है कि दिल्ली में सब कुछ ठप्प पड़ा हुआ है।

दोनों पार्टियों के झगड़े से दिल्ली और समूचे एनसीआर के लोगों को किस तरह की मुश्किलें हैं, इसका एक नमूना दो फरवरी को देखने को मिला, जिस दिन दोनों पार्टियों ने अलग अलग मुद्दों पर प्रदर्शन किया था। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में जनादेश चुरा लिया। उसने 20 वोट होने के बावजूद आप और कांग्रेस के आठ वोट अवैध कर दिए और अपने 16 वोट के आधार पर मेयर का चुनाव जीत गई। इसे लेकर आप ने दिल्ली में प्रदर्शन किया तो दूसरी ओर भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया और कहा कि वे गिरफ्तारी के डर से शराब घोटाले में पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश नहीं हो रहे हैं।

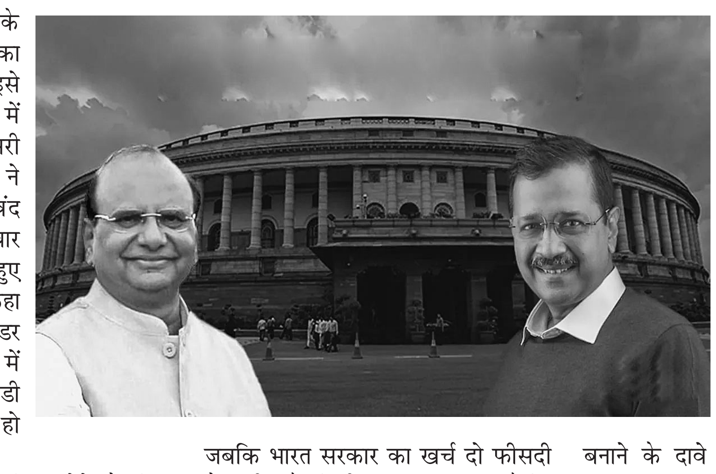

इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी पहुंचे थे और आप ने पंजाब, हरियाणा हर जगह से लोग बुलाए थे। दूसरी ओर भाजपा ने भी दिल्ली के साथ साथ पूरे एनसीआर से लोगों को जुटाया। नतीजा यह हुआ है कि दिल्ली की कई सीमाओं पर बैरिकेडिंग हुई और दिल्ली के अंदर कई सड़कें बंद रहीं। कामकाजी दिन में पूरे दिन सड़कों पर भीषण जाम लगा रहा और लोग संघर्ष करते रहे। दोनों की लड़ाई का यह एक छोटा नमूना है।

अभी एक नया मामला दिल्ली के अस्पतालों का सामने आया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का दावा है कि उनकी सरकार कुल बजट का 14 फीसदी के करीब हिस्सा स्वास्थ्य पर खर्च करती है, जबकि भारत सरकार का खर्च दो फीसदी के करीब है। दिल्ली सरकार का दावा है कि उसने दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा सुधार कर दिया है। दूसरी ओर उप राज्यपाल ने तीन फरवरी को मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिख कर मीडिया रिपोर्ट के हवाले दिल्ली के अस्पतालों की दयनीय स्थिति के बारे में सवाल पूछे हैं। दिलचस्प बात यह है कि केजरीवाल ने अस्पतालों की दयनीय स्थिति के आरोपों को खारिज नहीं किया है, बल्कि कहा है कि दिल्ली के वित्त व स्वास्थ्य सचिवों के कारण ऐसा है। उनका कहना है कि अगर इन दो सचिवों को हटा दिया जाए तो स्थिति सुधार जाएगी। सोचें, क्या सही है? विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का दावा या सचिवों की वजह से अस्पतालों की दयनीय दशा?

हकीकत यह है कि दिल्ली के अस्पताल बद से बदतर हो गए हैं। केजरीवाल भले जो भी दावा करें लेकिन दिल्ली के लोग भी इलाज के लिए दिल्ली के अस्पतालों को प्राथमिकता नहीं देते हैं। वे केंद्र सरकार के अस्पतालों जैसे एम्स, सफदरजंग, राम मनोहर लोहिया, लेडी हार्डिंग जैसे अस्पतालों में जाना चाहते हैं। दिल्ली के अस्पताल उनकी मजबूरी हैं। विश्वस्तरीय अस्पताल बनाने के दावे की हकीकत यह है कि ज्यादातर अस्पतालों में मरीजों के जांच की सुविधा नहीं है और आए दिन खबर आ रही है कि मरीज भटकते रहे और अस्पताल ने भर्ती नहीं किया, जिससे मरीज की जान चली गई। दो जनवरी को दिल्ली पुलिस एक घायल को लेकर भटकती रही थी। दिल्ली के तीन अस्पतालों- जग प्रवेश चंद, जीटीबी और एलएनजेपी में इलाज की बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलीं और आठ घंटे भटकने के बाद घायल को राम मनोहर लोहिया ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। यह एक प्रतिनिधि घटना है। ऐसी घटनाएं आए दिन हो रही हैं। ऊपर से आरोप है कि दिल्ली सरकार की मुफ्त जांच योजना के तहत भारी घोटाला हुआ है। मोहल्ला क्लीनिक से लेकर दिल्ली सरकार के अस्पतालों में डॉक्टरों की हाजिरी अपने आप बनती रही, फर्जी मरीजों का इलाज चलता रहा और उनकी फर्जी जांच निजी लैब्स में होती रही। सैकड़ों करोड़ रुपए के इस घोटाले की जांच के आदेश दिए गए हैं। दिल्ली सरकार ने सड़क दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने की फरिश्ते योजना शुरू की थी वह बंद है क्योंकि सरकार का दावा है कि उप राज्यपाल ने राशि की मंजूरी रोक रखी है। चाहे दिल्ली सरकार की अकर्मण्यता की वजह से स्वास्थ्य सेवाएं बिगड़ी हों या सचिवों के कारण और उप राज्यपाल के फंड रोकने के कारण बिगड़ी हों लेकिन हकीकत यह है कि दिल्ली के लोगों को विश्वस्तरीय तो छोड़िए सामान्य स्वास्थ्य सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं।

स्वास्थ्य के अलावा दिल्ली सरकार का दूसरा दावा विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था का है। इसकी अलग कहानी है। दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेज ऐसे हैं, जिनको फंड दिल्ली सरकार देती है। शिक्षा के लिए कथित तौर पर प्रतिबद्ध दिल्ली सरकार ने इन कॉलेजों का फंड रोक दिया है। दिल्ली सरकार चाहती है कि उसे इन कॉलेजों के प्रशासन का पूरा अधिकार मिले या इन कॉलेजों को दिल्ली विश्वविद्यालय से निकाल कर राज्य सरकार के विश्वविद्यालय के अधीन कर दिया जाए तो राज्य सरकार फंड देगी। क्या इसे शिक्षा के लिए प्रतिबद्धता कहेंगे या कॉलेजों का प्रशासन और भरती-तबादले का अधिकार अपने हाथ में लेने की बेचैनी कहेंगे? उप राज्यपाल और मुख्यमंत्री के झगड़े में इन कॉलेजों के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और छात्रों की क्या स्थिति है वह समझा जा सकता है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

खास खबर

निर्वाचन कार्य में लापरवाही करने वालों पर होगी कार्यवाही- अपर कलेक्टर

रायगढ़। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मतदान दलों एवं माइक्रो ऑब्जर्वर के गठन हेतु कर्मचारियों के डाटा प्रविष्टि के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने सभी विभागीय कर्मचारियों को मतदान दलों के गठन हेतु विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के डाटा प्रविष्टि के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के कार्य में लापरवाही नहीं होनी चाहिए अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएंगी। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव कुमार पाण्डेय ने लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर सुव्यवस्थित निर्वाचन संपन्न कराने हेतु विधान सभावार मतदान दलों के गठन संबंधी जानकारी दी। उन्होंने डाटा प्रविष्टि सॉफ्टवेयर संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने सॉफ्टवेयर डाउनलोड, क्रिस्टल पोर्ट, सॉफ्टवेयर लॉगिन पश्चात डाटा एंट्री पूर्व आवश्यक दिशा-निर्देश एवं चाही गई जानकारी। कार्यालयवार कर्मचारी के पदनाम एवं वेतनमान, कार्यालय की जानकारी व सत्यापन, इपिक कार्ड, कर्मचारियों का डेटा चेक लिस्ट तथा यूजर मैनेजमेंट के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी नियत समय में कर्मचारियों की सही जानकारी की प्रविष्टि करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने दिव्यांगों एवं अन्य स्थानों में अटैच कर्मचारियों के संबंध में विशेष दिशा-निर्देश दिए।

कलीराम को आने जाने में होगी अब सहुलियत

गरियाबंद। आज कलेक्टोरेट परिसर में कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने दिव्यांग कलीराम सोरी को ट्रायसाइकिल प्रदान किया।कलीराम सोरी ने अपने आने-जाने की सहूलियत के लिए ट्रायसिकल प्रदान करने समाज कल्याण विभाग में आवेदन प्रस्तुत किये थे। उनका आवेदन परीक्षण उपरांत समाज कल्याण विभाग द्वारा मैनपुर विकासखण्ड के ग्राम खरीपथरा निवासी कलीराम सोरी को कृत्रिम अंग उपकरण प्रदाय योजना अंतर्गत नई ट्रायसाइकिल उपलब्ध कराई गई। सोरी ने ट्राइसाइकिल मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि अब उन्हें किसी के सहारा की जरूरत नहीं पड़ेगी। पहले वे कहीं आने जाने के लिए किसी दूसरे पर निर्भर रहा करते थे। अब वे अकेले अपने दैनिक जीवन के कार्यों को ट्रायसाइकिल के माध्मय से कर सकेंगे। उन्होंने ट्रायसाइकिल मिलने पर कलेक्टर अग्रवाल का आभार जताया। इस अवसर पर उप संचालक समाज कल्याण डी.पी ठाकुर एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के आवास निर्माण का कार्य जोरों पर

सरकार के निर्णय से जगी उम्मीद पक्के आवास का सपना होगा पूरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महल हो या झोपड़ी अपना घर अपना होता है, हर व्यक्ति का एक सपना होता है कि छांव के लिए उसका एक खुद का घर हो। स्वयं का घर होने से कई सारे फायदे हैं, अपना घर व्यक्ति को वित्तीय सुरक्षा देता है। एक घर को अपना घर कहने में जो गौरव की अनुभूति होती है इसी सपने को सरकार द्वारा साकार किया जा रहा है। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तबके की भलाई के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना संचालित की जा रही है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की सहायता से ग्रामीणों द्वारा स्वयं का आवास बनाया जा रहा है।

ग्रामीणों को आवास निर्माण में सहायता के लिए कबीरधाम जिले के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सभी तकनीकी सहायक एवं ग्राम रोजगार सहायक लगातार अपने क्षेत्रो में मुस्तैदी से कार्य कर रहे हैं। प्रतिदिन लाभार्थियों से संपर्क कर निर्माण की बारीकियां देखते हुए ग्रामीणों को प्रोत्साहित किए जा रहे हैं कि निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करें।

उल्लेखनीय है कि कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र के लिए विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के लाभार्थियों के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत आवास की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी तरह शेष ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना से आवास की स्वीकृति दी गई थी। वर्तमान में उक्त दोनों मद से निर्माण कार्य लगातार चल रहे हैं। इन योजनाओं से राशि जारी होने पर ग्रामीणों को अपने आवास बनाने के लिए आर्थिक मदद मिल रहा है, जिससे उनके पक्के मकान का सपना पूरा हो रहा है।

आवास पूर्णता के मामले में कबीरधाम जिला पूरे राज्य में पांचवे स्थान पर है जिला पंचायत कवर्धा के सीईओ श्री संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया कि वनांचल क्षेत्र में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के लाभार्थियों के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान जनमन योजना से आवास की स्वीकृत किया गया है। उक्त आवास 2 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत है और इसके अतिरिक्त 12 हजार रुपए शौचालय निर्माण के लिए साथ में अपना आवास बनाने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से 95 दिवस का रोजगार और इसकी मजदूरी अलग से प्राप्त होगा। इसी तरह अन्य ग्रामीण क्षेत्र के लिए आवास निर्माण के लिए एक लाख 30 हजार रुपए लाभार्थियों को दिया जा रहा है। राशि का आवंटन चार किस्तों में हो रहा है जैसे-जैसे आवास निर्माण की प्रगति होती जा रही है राशि हितग्राहियों के खाते में जारी किया जाता है।

सीईओ ने बताया कि विभाग के तकनीकी कर्मचारी लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए सहयोग प्रदान कर रहे हैं एवं इसके लिए लगातार अपने कार्यक्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आवास निर्माण में कबीरधाम जिला पूरे राज्य में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने लाभार्थियों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने आवास का निर्माण स्वयं करें किसी के बहकावे में नहीं आते हुए गुणवत्ता के साथ आवास निर्माण का कार्य समय पर पूर्ण करें।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान, जनमन योजना अंतर्गत अभी तक कुल 7 हजार 981 परिवारों का सर्वे किया गया है। सर्वेक्षण उपरांत 3 हजार 554 परिवारों के आवास की स्वीकृति प्रदान की गयी, जिसमें जनपद पंचायत बोड़ला क्षेत्र के 2 हजार 81 एवं जनपद पंचायत पंडरिया क्षेत्र के 1473 आवास शामिल है। स्वीकृत आवास में से 2996 आवास के लिए प्रथम क़िस्त की राशि जारी की गयी है, जिसमें जनपद पंचायत बोड़ला क्षेत्र के 1 हजार 699 एवं जनपद पंचायत पंडरिया क्षेत्र के 1 हजार 297 आवास शामिल है। लाभार्थियों द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ कर अपना आवास बनाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत कुल 48 हजार 657 आवास स्वीकृत किया गया जिसके विरुद्ध 48 हजार 623 हितग्राहियों को प्रथम किश्त, 47 हजार 146 हितग्राहियों को द्वितीय किश्त, 45 हजार 631 हितग्राहियों को तृतीय क़िश्त एवं 21 हजार 240 हितग्राहियों को चतुर्थ किस्त की राशि उनके खाते में ऑनलाइन डीबीटी के माध्यम से जारी की गयी है। इनमें से 43 हजार 881 आवास का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है, जो की लक्ष्य का 90.18 प्रतिशत है। कबीरधाम जिला आवास निर्माण की पूर्णता के मामले में राज्य में पांचवे स्थान पर है।

मोटराइज्ड टायसायकल एवं सुगम्य केन प्रदाय में पात्र हितग्राहियों का किया गया चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कलेक्टर रोहित व्यास एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में 05 एवं 07 फरवरी को साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स भारत सरकार का मिनीरत्न उपकम की सामाजिक निगमित दायित्व सी.एस.आर. योजना के अंतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को जबलपुर द्वारा सूरजपुर जिले में दिव्यांगजनों को निशुल्क मोटराइज्ड टायसायकल एवं सुगम्य केन प्रदाय किये जाने हेतू शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें जनपद पंचायत भैयाथान से कुल पंजीयन 184, नये मेडिकल प्रमाण पत्र 75, मोटराइज्ड हेतु पात्र 31 एवं सुगम्य केन हेतु 12 हितग्राहियों का चयन हुआ, इसी प्रकार सूरजपुर जिलें में पंजीयन 201, नये मेडिकल प्रमाण पत्र 80, मोटराइज्ड हेतु पात्र 41 एवं सुगम्य केन हेतु 09 हितग्राहियों का चयन हुआ। जिसमें भैयाथान अध्यक्ष सुलोचनी पैकरा, जनपद सदस्य राजू गुप्ता, परमेश्वर यादव, अनिल पाण्डेय, त्रिलोक मेहरा, एवं समाज कल्याण के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहें।

छत्तीसगढ़ी संस्कृति से विदेशी छात्रों का प्रभावित होना गौरव का क्षण: मंत्री बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल से साउथ कोरियन छात्रों के प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पर्यावरण, मानवाधिकार और जन कल्याण जैसे मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। श्री अग्रवाल ने कहा कि विदेशी छात्रों का छत्तीसगढ़ी संस्कृति से प्रभावित होना हमारे लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साउथ कोरिया छात्रों से मुलाकात के दौरान शिक्षा मंत्री अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संबंधित समस्या सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों की कमी जैसी समस्याओं से निपटने के लिए हमें सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

शिक्षण संस्थानों में पर्यावरण जागरूकता पर जोर देकर हम छात्रों को पर्यावरण के महत्व के बारे में शिक्षित कर सकते हैं। इन संस्थानों में वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रमों का आयोजन होना चाहिए। पर्यावरण के अनुकूल बुनियादी ढांचे जैसे कि सौर ऊर्जा का उपयोग, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन पर हमें विशेष ध्यान देना होगा।

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के छात्र स्वयंसेवकों का एक वैश्विक संगठन है। जो दुनियाभर में ''सेव द अर्थ'' मुहिम चलाती है। इसके तहत पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न मुद्दों पर जनजागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। यह दल पिछले दो सप्ताह से छत्तीसगढ़ के भ्रमण पर है। इस दौरान छात्रों के इस दल ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति और खान-पान की प्रशंसा की।

प्रतिनिधि मंडल में साउथ कोरिया के श्री चार्ली, श्री केविन, लुक, एरिक शामिल थे।

महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता संपन्न

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम फिर से एक नये स्वरूप में आएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व एवं आपदा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित 80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता 2024 के समापन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए सभी को बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राजनांदगांववासियों ने महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता की परंपरा को वर्षों से सहेज कर रखा है।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से इस अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम की सुविधा जिलेवासियों को मिली है। राजनांदगांव जिला हॉकी और झांकी के लिए प्रसिद्ध है तथा जिले की हॉकी की नर्सरी के रूप में एक अलग पहचान बनी है। शिक्षा के साथ ही संस्कार जरूरी है। संस्कारधानी राजनांदगांव में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम फिर से एक अलग नये स्वरूप में आएगा। यहां फ्लड लाईट, एस्ट्रोटर्फ एवं खेल संबंधी अन्य सुविधाएं खिलाडि़यों को मिलेगी। छत्तीसगढ़ सरकार डबल इंजन की सरकार है। केन्द्र शासन की ''खेलो इंडिया योजना'' को प्रदेश में क्रियान्वित किया जा रहा है। प्रदेश की खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने एवं निखारने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

पूर्व सांसद मधुसूदन यादव ने कहा कि राजनांदगांववासियों की इच्छाशक्ति से महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन हर वर्ष किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम को एस्ट्रोटर्फ युक्त करने के साथ ही अन्य खेल सुविधाएं भी प्रदान की गई। जनसहयोग, खेल विभाग, राजगामी संपदा न्यास, शासन-प्रशासन के सहयोग से राजनांदगांव में सफलतापूर्वक यह आयोजन किया जाता रहा है। पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने कहा कि संस्कारधानी में 80 वर्ष की उपलब्धियां रही हैं और कई पीढियां इस ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बनी है।

राजनांदगांववासियों ने दिल से इस आयोजन को संजोया है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम की स्थापना जिले में की गई है, लेकिन समय के साथ यहां बदलाव की जरूरत है। खेल मंत्री टंकराम वर्मा के माध्यम से एस्ट्रोटर्फ एवं अन्य खेल सुविधाएं जिले को मिलती रहेंगी। यहां के हॉकी और झांकी की गूंज हमेशा बनी रहेगी।

इस अवसर पर प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण करते हुए अतिथियों ने विजेता टीम को आयोजन समिति द्वारा विशाल चांदी की ट्रॉफी एवं छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष बल्देव सिंह भाटिया द्वारा प्रदत्त 5 लाख रूपए, आयोजन समिति द्वारा उपविजेता टीम को विशाल चांदी की ट्रॉफी एवं समाजसेवी बहादुर अली द्वारा प्रदत्त 3 लाख रूपए, तृतीय स्थान प्राप्त टीम आर्मी इलेवन सी.एन. तिवारी ट्रॉफी एवं रमेश नरेश डाकलिया द्वारा प्रदत्त 51 हजार रूपए और चौथा पुरस्कार सेल अकादमी को अंतर्राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे द्वारा प्रदत्त ट्रॉफी एवं 21 हजार रूपए प्रदान किया गए। स्पर्धा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तरूण यादव सेल अकादमी को मनीष कमलेश गौतम द्वारा आकर्षक ट्रॉफी एवं 11 हजार रूपए, स्पर्धा की विजेता उपविपजेता व तीसरे स्थान आई टीम को भिलाई के वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी अनूप श्रीवास्तव द्वारा विशाल आकर्षक कप प्रदान किया गया। इस अवसर पर निर्णायकों को भी पुरस्कृत किया गया।

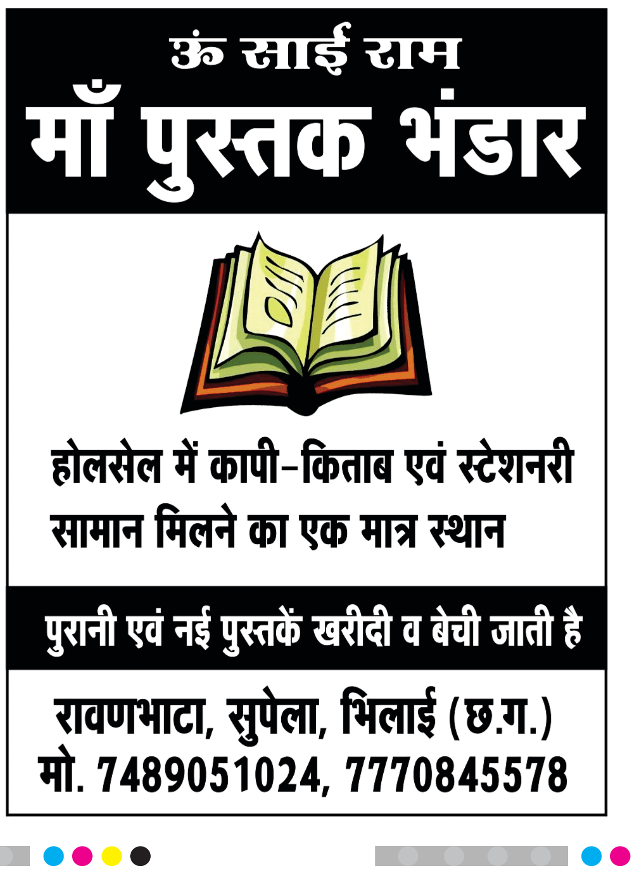

खास खबर...

जल जीवन मिशन के कार्यों में आयी तेजी : जनवरी माह में 1178 कार्य प्रारंभ और 600 स्थानों पर संयंत्र की स्थापना

रायपुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी क्रेडा राजेश सिंह राणा के निर्देश के फ्लस्वरूप जल-जीवन मिशन के कार्यों में तेजी आयी है। योजनांतर्गत माह जनवरी में 1178 स्थानों पर कार्य प्रारंभ कर 600 स्थानों पर संयंत्र की स्थापना का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, इससे लगभग 24,000 परिवारों को उनके घरों में नल-जल से शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी क्रेडा श्री राणा द्वारा माह जनवरी में विभाग का कार्यभार ग्रहण करते ही जल-जीवन मिशन योजना की समीक्षा की गई थी। बैठक में प्रधान कार्यालय एवं जोनल कार्यालय स्तर के समस्त अधिकारियों एवं कार्यरत् इकाईयों के अधिकारियों को कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए थे। श्री राणा द्वारा जिन इकाईयों के द्वारा कार्य में लापरवाही के कारण कार्य में विलम्ब हो रहा था, ऐसी 12 इकाईयों को दंडित करते हुए 234 कार्यादेश निरस्त किये जाने की कार्यवाही भी की गयी।

परीक्षा पर्व जिला स्तर पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम कल

राजनांदगांव। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिले में परीक्षा पर्व का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में बच्चों को परीक्षा से संबंधित तनाव से उबरने एवं सहायता करने और चिंता व परीक्षा के दबाव को कम करने की दिशा में चर्चा की जाएगी। परीक्षा पर्व जिला मुख्यालय स्तर पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम 9 फरवरी 2024 को सुबह 11.30 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष राजनांदगांव में आयोजित की गई हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने राष्ट्रीय बाल अधिकारी संरक्षण आयोग को परीक्षा पर्व जिला स्तरीय कार्यक्रम में सहयोग के लिए सहायक संचालक जिला शिक्षा अधिकारी बी संगीता राव को नियुक्त किया है।

इसरो और मद्रास आईआईटी के अध्ययन भ्रमण से लौटे जशपुर के मेघावी विद्यार्थियों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

अगले शैक्षणिक सत्र से 9 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क वितरित की जाएगी एग्जाम वारियर्स किताब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाईजेशन की एक्सपोजर विजिट से लौटे जशपुर के मेघावी बच्चों ने छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही देखी। इन बच्चों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भी मुलाकात की। देश के ख्यातिलब्ध उत्कृष्ट तकनीकी संस्थानों का भ्रमण करने के बाद बच्चे काफी उत्साहित हैं। मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर आदिवासी बहुल जशपुर जिले के बच्चों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान तथा अनुसंधान के अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इसरो और आईआईटी मद्रास के भ्रमण पर भेजा गया था। बच्चों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि अध्ययन भ्रमण के दौरान उन्होंने वैज्ञानिकों और आईआईटी के छात्रों से मुलाकात की और कहा कि हम भी उन्ही की तरह परीक्षा उत्तीर्ण कर उच्च शिक्षण संस्थान में अध्ययन कर अपने जिले और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

अध्ययन भ्रमण से लौटने के बाद जशपुर जिले के 43 मेघावी छात्र-छात्राओं ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा का भ्रमण कर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विधानसभा में मुलाकात की। जशपुर जिले के ये छात्र-छात्राएं स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम स्कूल पत्थलगांव, बगीचा और जशपुर, संकल्प शिक्षण संस्थान कुनकुरी और जशपुर तथा उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला बगीचा के कक्षा 11वीं के छात्र हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शैक्षणिक भ्रमण करके आप लोग आज यहां विधानसभा का भ्रमण करने आये हैं। इसके लिए आप लोगों को बहुत बहुत बधाई।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी द्वारा लिखी गई किताब ''एग्जाम वारियर्स'' के बारे में पूछा। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घोषणा की कि अगले शैक्षणिक सत्र से 9वी से 12 वीं तक के विद्यार्थियों को ''एग्जाम वारियर्स'' किताब का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि वे लगन और मेहनत के साथ परीक्षा की तैयारी में जुटें और अपने परिवार, स्कूल और प्रदेश का नाम रोशन करें। स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि जशपुर जिले के बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की एक अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक पढ़ाई के साथ साथ बच्चों में सामान्य ज्ञान की जानकारी भी बढ़े, इस पर भी शिक्षक ध्यान दें।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा का बजट सत्र 5 फरवरी से शुरू हुआ। इस बजट सत्र के दौरान जशपुर जिले के 11वी कक्षा के स्कूली बच्चे भी विधानसभा पहुंचे थे। दूरस्थ वनांचल क्षेत्र जशपुर से राजधानी रायपुर पहुंचे बच्चों ने पहली बार विधानसभा की कार्यवाही देखी।

जशपुर के स्कूली बच्चों ने विधानसभा की कार्यवाही के दौरान सदन का संचालन करते हुए विधानसभा अध्यक्ष को देखा। विधानसभा में पक्ष-विपक्ष के तर्क वितर्क को देखकर बच्चे उत्साहित थे। राज्य के लोकतंत्र के इस मंदिर को देखकर बच्चों ने कहा उनका सपना पूरा हो गया। जशपुर जिले से पहुँचे बच्चों के लिए आज का दिन यादगार रहा।

जशपुर जिले से आए बच्चों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान बताया कि उन्हें यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। कक्षा 11वीं की छात्रा साक्षी कुजूर एवं छात्र राहुल यादव ने बताया कि बीते दिनों उन्होंने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र का एक्सपोजर विजिट किया। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण के दौरान अंतरिक्ष केंद्र के मिशन कमांड सेंटर, कमांड सेंटर में देश के वैज्ञानिकों और रॉकेट लॉन्च, कमांड कंसोल्स के ऑपरेशन, रॉकेट प्रक्षेपण के सभी चरणों, सेपरेशन, सैटेलाइट और डेप्लॉयमेंट के साथ मानव मिशन के एस्ट्रोनॉट लैंडिंग की विस्तृत जानकारी के साथ ऑन बोर्ड कैमरा वीडियो फुटेज को भी देखा। बच्चों ने बताया कि आईआईटी मद्रास के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान हमने हेरीटेज सेंटर आईआईटी मद्रास का अवलोकन भी किया। इस दौरान मद्रास आईआईटी की स्थापना, 1959 से 2023 तक आईआईटी का सफर, सक्सेस स्टोरी, आईआईटी के भौगोलिक क्षेत्र व अंतर्गत वनस्पति, जंतुओं की ऑडियो विजुअल जानकारियां दी गयी। सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच चर्चा और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा सदन संचालन को देखा

विधानसभा पहुंचे बच्चों को विधानसभा में होने वाली सारी प्रक्रियाएं प्रश्नकाल, शून्य काल, बजट भाषण और सदन में विपक्ष की भूमिका से संबंधित जानकारी दी गई । बच्चों को बताया गया कि लोकतंत्र के स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका होते हैं। विधायिका के स्तंभ विधानसभा के बारे में आज बच्चों को जानने का अवसर मिला। छात्र-छात्राओं व स्कूल स्टाफने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के साथ अपने इस भ्रमण को यादगार बनाने तस्वीरें भी ली।

छात्रा-छात्राओं ने कहा कि आज ऐसा महसूस हो रहा है कि उनका सपना सच हो गया। अभी तक उन्होंने किताबों और टेलीविजन में विधानसभा के बारे में पढ़ा था, आज पहली बार देखने-जानने को मिला। छात्राओं ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री से मिलकर बहुत अच्छा लगा। इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय और श्रीमती रायमुनि भगत भी उपस्थित थीं।

एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट रायपुर को जटिल हृदय रोग के इलाज में मिली बड़ी सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट (एसीआई) में कॉर्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव एवं टीम ने ट्रांसकैथेटर माइट्रल वाल्व इम्प्लांट (टीएमवीआर) वॉल्व इन वॉल्व प्रक्रिया के जरिए एक 70 वर्षीय महिला मरीज की जिंदगी बचाई। इस प्रक्रिया के साथ एसीआई पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में मरीज की छाती पर बिना किसी चीरे के माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट प्रक्रिया को पूरा करने वाला पहला और एकमात्र संस्थान बन गया। डॉ. स्मित श्रीवास्तव के अनुसार माइट्रल वाल्व को रोगी की जांघ की नसों के माध्यम से एंजियोप्लास्टी में हृदय की नसों में स्टेंट लगाने के समान प्रक्रिया द्वारा प्रत्यारोपित किया गया। मरीज़ को 26 एम. एम. का माइट्रल वॉल्व लगाया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि के लिए एडवांस कॉर्डियक इंस्टीट्यूट की पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल, डॉ. भीम राव अंबेडकर अस्पताल से संबद्ध एडवांस कॉर्डियक इंस्टीट्यूट जटिल हृदय रोग के सफल इलाज में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है।

मरीज गंभीर माइट्रल रेगर्गिटेशन (एमआर) से पीड़ित था, जो एक सामान्य हृदय रोग है जिसके लिए आम तौर पर ओपन हार्ट सर्जरी की आवश्यकता होती है। मरीज को 6 फरवरी 2024 को कॉर्डियोलॉजी विभाग, एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में नॉन इनवेसिव प्रक्रिया से गुजरना पड़ा और सिर्फ दो दिनों के बाद सुरक्षित रूप से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

एसीआई में कॉर्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने कहा कि ''बुजुर्ग मरीज को 10 साल पहले दिल का दौरा और वाल्व रोग के लिए कई ऑपरेशनों से गुजरना पड़ा था, जिसमें कोरोनरी बाईपास सर्जरी और माइट्रल वाल्व सर्जरी शामिल थी, जो पिछले दशक में खराब हो गई थी और अपने पीछे गंभीर रूप से लीक होने वाले माइट्रल वाल्व और बहुत कमजोर दिल को छोड़ गई थी। रोगी की बढ़ती उम्र और कमजोर दिल के अलावा, वह जानलेवा गंभीर अस्थमा से भी पीड़ित थी, जिसके कारण सांस लेने में कठिनाई और इम्यून थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा (आईटीपी) नामक एक दुर्लभ ऑटोइम्युन रक्त विकार से पीड़ित थी। इस एक ऐसा प्रतिरक्षा प्रणाली विकार है जो रक्त को ठीक से जमने से रोककर रक्तस्राव में वृद्धि का कारण बनता है। ऐसे जटिल रोगी में दोबारा ओपन हार्ट सर्जरी असंभव थी, इसलिए डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने कमजोर छाती की दीवार पर किसी भी चीरे से बचकर जोखिम को कम करने की कोशिश की।

सबसे पहले मरीज को बेहोश किया गया उसके बाद दाहिने जांघ की नसों के रास्ते कैथेटर के माध्यम से एओर्टा तक पहुंचे। एओर्टा से बैलून को ले जाते हुए माइट्रल वाल्व के लिए जगह बनाई। उसके बाद बैलून एक्सपेंडेबल वाल्व को पुराने वाल्व की जगह पर प्रत्यारोपित किया गया।

टीएमवीआर वाल्व-इन-वाल्व थेरेपी क्या है? डॉ. स्मित श्रीवास्तव के अनुसार, टीएमवीआर (ट्रांसकैथेटर माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट) वाल्व-इन-वाल्व थेरेपी एक अत्याधुनिक प्रक्रिया है। यह उन रोगियों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो पहले माइट्रल वाल्व सर्जरी करा चुके हैं लेकिन अब वाल्व विफलता अनुभव कर रहे हैं। किसी अन्य ओपन-हार्ट सर्जरी के बजाय, यह तकनीक कैथेटर के माध्यम से प्रत्यारोपित वाल्व के भीतर वाल्व प्रत्यारोपण की अनुमति देती है। प्रक्रिया में एक कैथेटर को पैर की नस के माध्यम से डाला जाता है और हृदय तक पहुंचा जाता है जहां नया वाल्व खराब हो चुके सर्जिकल वाल्व के भीतर रखा जाता है।

विभिन्न प्रकार की समस्याओं और जटिलताओं के होने के बावजूद एसीआई में सफलतापूर्वक ट्रांसकैथेटर माइट्रल वाल्व इंप्लांट (टीएमवीआर) प्रक्रिया के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए 70 वर्षीय मरीज का कहना है कि डॉ. स्मित श्रीवास्तव एवं टीम के कारण आज उनकी हृदय की समस्या का सफल उपचार हुआ। मैंने यहां के केस की सफलता देखते हुए बिना डरे प्रसन्नतापूर्वक अपना इलाज कराया। उसी का नतीजा है कि आज मैं आप सभी के सामने एकदम ठीक हूं। वहीं मरीज की बहू दीप्ति के मुताबिक एसीआई दिल की बीमारियों के उपचार के क्षेत्र में नई तकनीकों की शुरुआत कर रहा है जो जीवन बचा सकती हैं, खासकर सबसे अधिक जोखिम वाले मरीजों के लिए, ट्रांसकैथेटर माइट्रल वाल्व प्रत्यारोपण, एक समर्पित टीम के द्वारा संभव हो सका है। नई प्रौद्योगिकियों, अभूतपूर्व नवाचारों और अद्वितीय प्रतिभा के साथ, कार्डियोलॉजिस्ट, कार्डियक सर्जन, एनेस्थेटिस्ट, मेडिसिन विशेषज्ञ और इमेजिंग टेक्नोलॉजिस्ट की टीम स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में काम कर रही है।

एयर फोर्स ने जीती महंत राजा सर्वेश्वर दास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने आज राजनांदगांव जिले में आयोजित महंत राजा सर्वेश्वर दास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता 2024 के विजेता टीम को पुरस्कृत किया। 80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता 2024 का फायनल मैच एकतरफा रहा, जिसमें इंडियन एयर फोर्स नई दिल्ली ने पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड नई दिल्ली को 5-1 गोल से हराकर प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा कर लिया। तीसरे व चौथे स्थान के लिए खेला गया मैच भी एकतरफा रहा। जिसमें आर्मी स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड नई दिल्ली ने सेल हॉकी अकादमी राउरकेला को 7-2 गोल से हराकर तीसरे स्थान पर रही।

दिग्विजय स्टेडियम समिति द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेली गई, 80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के फायनल मैच में एयर फोर्स नई दिल्ली ने पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड नई दिल्ली को 1 गोल के मुकाबले 5 गोल से शिकस्त देकर प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा किया। इसके पूर्व तीसरे व चौथे स्थान के लिए खेले गए मैच में आर्मी इलेवन ने सेल राउरकेला को आसानी से 7-2 गोल से हराकर तीसरा स्थान किया और सेल की टीम चौथे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण करते हुए खेल मंत्री श्री टंकराम वर्मा एवं अन्य अतिथियों ने विजेता टीम को आयोजन समिति द्वारा विशाल चांदी की ट्रॉफी एवं छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष बल्देव सिंह भाटिया द्वारा प्रदत्त 5 लाख रूपए, आयोजन समिति द्वारा उपविजेता टीम को विशाल चांदी की ट्रॉफी एवं समाजसेवी बहादुर अली द्वारा प्रदत्त 3 लाख रूपए, तृतीय स्थान प्राप्त टीम आर्मी इलेवन सी.एन. तिवारी ट्रॉफी एवं श्री रमेश नरेश डाकलिया द्वारा प्रदत्त 51 हजार रूपए और चौथा पुरस्कार सेल अकादमी को अंतर्राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री मृणाल चौबे द्वारा प्रदत्त ट्रॉफी एवं 21 हजार रूपए प्रदान किया गए।

प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार एयर फोर्स के पी.ई पोन्नना को पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग द्वारा प्रदत्त आकर्षक ट्रॉफी एवं 5 हजार रूपए, राजेश जैन द्वारा प्रदत्त 'मेन ऑफद मैच' एवं 'मेन ऑफद टूर्नामेंट' का पुरस्कार दिया गया। स्पर्धा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तरूण यादव सेल अकादमी को मनीष कमलेश गौतम द्वारा आकर्षक ट्रॉफी एवं 11 हजार रूपए, स्पर्धा की विजेता उपविपजेता व तीसरे स्थान रही टीम को भिलाई के वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी अनूप श्रीवास्तव द्वारा विशाल आकर्षक कप प्रदान किया गया। इस अवसर पर निर्णायकों को भी पुरस्कृत किया गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

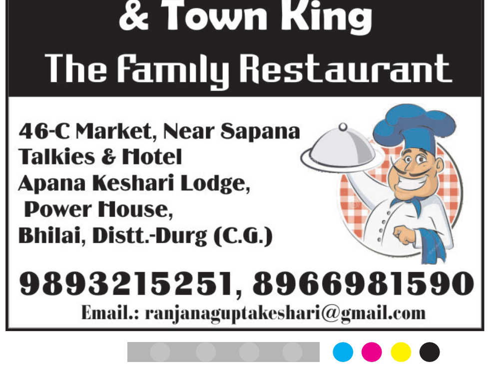

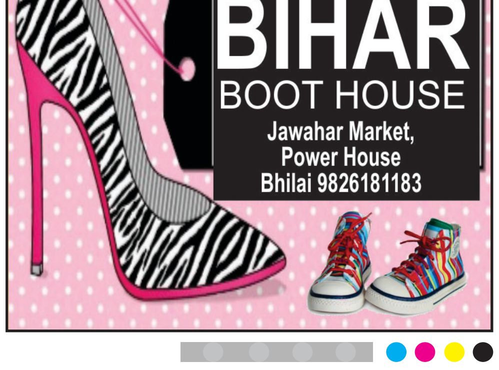

यदि आप बढ़ते कॉलेस्ट्राल की समस्या से परेशान हैं तो इसमें अखरोट आपकी मदद कर सकता है। वैज्ञानिक रूप से ये साबित हो चुका है कि सभी नट्स में दिल को फायदा पहुंचाने वाले कुछ तत्व होते हैं। अखरोट उनमें से सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि उसमें ओमेगा-3 फैट सबसे ज्यादा होते हैं। अखरोट में ओलेइक एसिड जैसे पॉलीअनसैचुरेटिड फैटी एसिड होते हैं, साथ ही ये अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (एएलए) जैसे ओमेगा 3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत है। ये हेल्दी फैट कॉलेस्ट्रॉल को नैचुरली कम करते हैं। गुड कॉलेस्ट्रॉल और बैड कॉलेस्ट्रॉल का अनुपात बेहतर बनाते हैं।

कॉलेस्ट्रॉल घटाने के लिए खाएं अखरोट

इसके अलावा, अखरोट में ऐसे फाइबर भी होते हैं जो कॉलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करते हैं। ऐसा करने के लिए ये लीवर द्वारा खून से कॉलेस्ट्रॉल का अवशोषण बढ़ता हैं।

एक अध्ययन में ये बात सामने आई है कि रोज़ अख़रोट खाने से टाइप 2 डायबिटीज़ के मरीज़ों में 10 प्रतिशत तक कॉलेस्ट्रॉल कम होता है। ऐसा अखरोट की 30 ग्राम मात्रा का सेवन करने से होता है। ये शरीर में एचडीएल का स्तर भी बढ़ाता है और इसके साथ ही दिल से जुड़ी बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है।

वैसे अगर आप अपने बालों का ध्यान रखना चाहते हैं तो भी अखरोट खाएं। इसमें विटामिन बी7 होता है जो आपके बालों को मज़बूत बनाता है, उनका झड़ना रोकता है और बाल लंबे करता है। इसके अलावा ये नट तनाव को भी दूर करता है।इसमें मौजूद पोषक तत्व फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स और फैटी एसिड तनाव से लड़ने में मदद करते हैं।

ऐसे दूर करें एसिडिटी

पेट में गैस होने की परेशानी एक आम परेशानी है। इसके लिए कई लोग इलाज के लिए डॉक्टरों का रूख करते है। लेकिन पेट में गैस की समस्या को घरेलू नुस्खे और खाद्य पदार्थों से दूर किया जा सकता है। पेट में गैस को दूर करने के लिए खाने में मूंग, चना, मटर, अरहर, आलू, सेम, चावल, तथा तेज मिर्च मसाले युक्त आहार अधिक मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही जल्दी पचने वाले आहार जैसे सब्जियां, खिचड़ी, चोकर सहित बनी आटे की रोटी, दूध, तोरई, कद्दू, पालक, टिंडा, शलजम, अदरक, आवंला, नींबू आदि का सेवन ज्यादा करना चाहिए।

पेट की गैस से निजात पाने के लिए इन घरेलू नुस्खों को आजमाएं

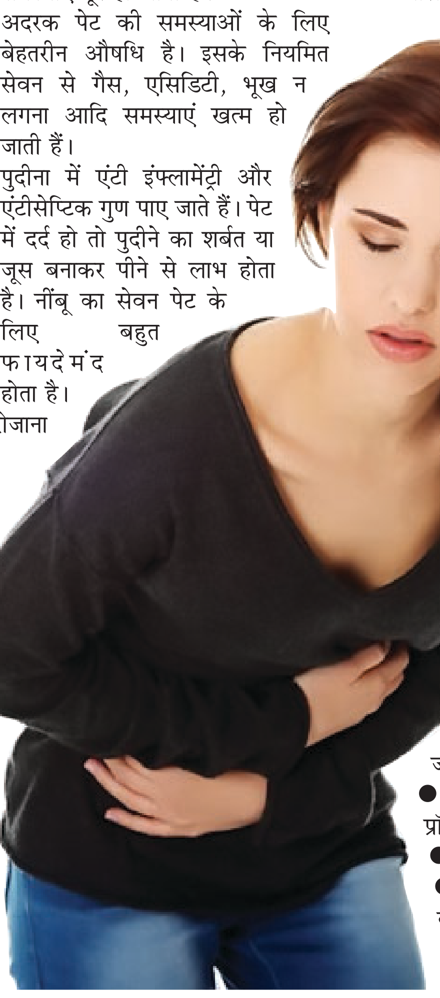

- रोजाना खाली पेट एक सेब खाने से गैस, कब्ज व एसिडिटी जैसी पेट की समस्याएं दूर हो जाती हैं।
- अदरक पेट की समस्याओं के लिए बेहतरीन औषधि है। इसके नियमित सेवन से गैस, एसिडिटी, भूख न लगना आदि समस्याएं खत्म हो जाती हैं।
- पुदीना में एंटी इंफ्लामेंट्री और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं। पेट में दर्द हो तो पुदीने का शर्बत या जूस बनाकर पीने से लाभ होता है। नींबू का सेवन पेट के लिए बहुत फायदेमंद होता है।
- रोजाना खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू निचोड़ कर पीने से कब्ज नहीं होती है।
- पपीता में फाइबर अधिक मात्रा में पाया जाता है। यदि आपको पाचन तंत्र से जुड़ी कोई समस्या हो तो खाने के बाद पपीता का सेवन करें। अजवाइन भी पेट के लिए औषधि का काम करता है। अजवाइन को चबाकर खाएं और उसके बाद एक कप गर्म पानी पी लें, पेट दर्द ठीक हो जाएगा।
- ग्रीन टी बनाकर पीने से गैस की प्रॉब्लम से तुरंत राहत मिलती है।
- हर दिन एक ग्लास दूध पिएं।
- गैस की समस्या से निजात पाने के लिए नारियल पानी पिए।
- गरिष्ठ और मसालेदार भोजन से बचें।

लाल रंग का होता है गहरा असर

लाल रंग का हमारे मूड, विचारों और काम पर गहरा असर होता है. जानिए कैसे... हमारे शरीर में लाल रक्त है. यह रंग हमारे पूरे शरीर को उर्जा देता है और लोगों को शायद सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला रंग भी लाल ही है. ये दफ्तर में आपके काम से लेकर निजी संबंधों तक को प्रभावित करता है. महारानी के ताज के लांल रंग से लेकर एम्सटर्डम के रेड लाइट एरिया तक आज सुर्ख रंग के शेड्स को सत्ता, आक्रमण और सेक्स से जोड़कर देखा जाता है. 'रंगों के मनोविज्ञान' से पता चला है कि लाल रंग का हमारे मूड, विचारों और काम पर गहरा असर होता है. इससे आपकी फिजियोलॉजी और हार्मोन संतुलन पर और खेल के मैदान में प्रदर्शन भी प्रभावित हो सकता है.

बहुत से स्तनधारी प्राणी कुत्तों की तरह लाल और हरे रंग में फर्क नहीं कर पाते. जब हमारे पूर्वज जंगल के जीवन में ढल रहे थे तब उनकी आंखों के रेटिना में एक खास सेल विकसित हो रहा था. ये पत्तों के बीच से लाल चमकीले फलों को चुनने में मदद करता था. धीरे-धीरे गुस्से में नाक लाल होना ताकत की निशानी बन गया. मेंड्रिल बंदर इसका अच्छा उदाहरण हैं. जितना सेहतमंद बंदर, उतना गाढ़ा उसकी नाक का लाल रंग. 2004 में 'यूनिर्वसटि ऑफ डरहम' के मनोवैज्ञानिकों रसेल हिल और रोबर्ट बार्टन ने शोध शुरू किया कि क्या मनुष्यों में ऐसा होता है. क्या मनुष्य भी 'गुस्से में लाल' हो जाते हैं.

हिल और बार्टन ने 2004 के ओलिंपिक खिलाड़ियों के पहनावों पर शोध किया. मुक्केबाजी और ताईचांडो में हुए इस शोध में पाया गया कि लाल रंग की पोशाक पहनने वाले खिलाड़ियों के जीतने की संभावना पांच फीसद अधिक थी. 'लाल रंग की पोशाक आपको जबरदस्त खिलाड़ी नहीं बनाती लेकिन जब आपका मुकाबला बराबरी के प्रतिद्वंदी से हो तो यह जीत और हार के संतुलन को जरूर प्रभावित करती है.' फुटबॉल के मैदान पर शोध से पता चला कि यदि गोलकीपर ने लाल रंग पहना हो तो पेनॉल्टी शूटआउट में गोल की संभावना कम हो जाती है.

यूनिर्वसटि ऑफ रोचेस्टर' के एंड्रयू एलियट कहते हैं कि लाल रंग पहनने वाले अपने आपको ज्यादा प्रभावी समझते हैं जिससे दिल की धड़कन और टेस्टोस्टोरोन की मात्रा बढ़ जाती है. कुछ फैशन विशेषज्ञों के मुताबिक लाल टाई पहनने से दफ्तर में अपने प्रभाव और अधिकार का अहसास होता है. लाल रंग की पोशाक वाली महिला वेटरों को अधिक टिप मिलती है.

लाल रंग की वजह से होने वाली आक्रामकता के नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं. प्रोफेसर एलियट कहते हैं, 'लाल पके हुए फल का रंग है, गुस्साए चेहरे का रंग है, सेक्स उत्तेजना का रंग है. इसलिए इसे हमेशा हमारे अस्तित्व से जोड़कर देखा जाता रहेगा.'

विटामिन या जीवन सत्व भोजन के अवयव है जिनकी सभी जीवों को अल्प मात्रा में आवश्यकता होती है। ये कार्बनिक यौगिक होते हैं। उस यौगिक को विटामिन कहा जाता है जो शरीर द्वारा पर्याप्त मात्रा में स्वयं उत्पन्न नहीं किया जा सकता बल्कि खाने के रूप में लेना आवश्यक हो। विटामिन ए, बी, सी, डी, ई, बी-कॉम्प्लेक्स, आयोडीन, फास्फोरस, कॉपर, सिलिकॉन, आयरन, मेग्निशियम, पोटेशियम आदि तत्वों की आवश्यकता होती है।

बेहतर सेहत के लिए आवश्यक विटामिन्स

विटामिन ए-:

बालों की सुंदरता के लिए विटामिन ए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है, जो इन्हें लंबा, घना व मुलायम बनाए रखता है। विटामिन ए की कमी का प्रभाव सबसे पहले बालों पर ही पडता है, वे बेजान दिखाई देते हैं। बॉडी में विटामिन ए की 1000 से 4000 यूनिट की जरूरत होती है।

विटामिन सी-:

शरीर में विटामिन सी की कमी हो जाने से बालों में रूखापन आ जाता है। सिर की त्वचा पर सूखी पपड़ी जम जाती है, जिससे बालों की जडें कमजोर होती हैं और बाल गिरने लगते हैं।

विटामिन डी-:

शरीर में विटामिन डी बालों को मोटा, लंबा व स्वस्थ बनाए रखता है। कई रिसर्च के अनुसार विटामिन डी शरी की टी-कोशिकाओं की क्रियाविधि में वृद्धि करता है, जो किसी भी बाहरी संक्रमण से शरीर की रक्षा करती है। इसकी मानव प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मुख्य भूमिका होती है और इसकी पर्याप्त मात्रा के बिना प्रतिरक्षा प्रणालीकी टी-कोशिकाएं बाहरी संक्रमण पर प्रतिक्रिया देने में असमर्थ रहती है।

विटामिन ई:-

यह विटामिन शरीर के सेक्स हारमोन एंड्रोजन को उत्प्रेरित करता है, जो बालों को सुंदर, घना, चमकदार बनाने में सहायता करता है। हर रोज खाने में हरी सब्जी, सलाद, अंकुरित अनाज, दूध, दूध के बने पदार्थ, ताजे फल, सूखा मेवा, मछली, दालें, अंडे, चावल, चोकरयुक्त आटे की रोटी, खोपरा आदि का भरपूर सेवन करें। प्रतिदिन 6-7 लीटर पानी पिएं व कब्ज न रहने दें। जिन विटामिनों की कमी से गंजापन आता है, उनमें विटामिन बी ग्रुप के आइनोसिटॉल और पीएबीए शामिल हैं, ये विटामिन रोमकूपों की रक्षा करते हैं। पीएबीए न केवल रोमकूपों की रक्षा करता है, बल्कि बालों को अपना कुदरती रंग बनाए रखने में भी मदद करता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

संवेदनशील क्षेत्रों में आयोजित समाधान शिविरों में अधिक फोकस करें - कलेक्टर

कांकेर। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज समय-सीमा की बैठक में जिले में आयोजित समाधान शिविरों में महतारी वंदन योजना के तहत आवेदक महिलाओं से निर्धारित प्रारूप में ऑफलाइन, ऑनलाइन फॉर्म भराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में स्थित गांवों में विशेष रूप फोकस करते हुए समाधान शिविरों में ही पात्र महिलाओं से फॉर्म भराने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए, जिससे 20 फरवरी तक लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत हितग्राहियों को फॉर्म भराया जा सके। साथ ही ग्राम पंचायत एवं नगर पंचायत स्तर पर ऑनलाइन आवेदन के लिए अमला बढ़ाने के भी निर्देश सभी जनपद सी.ई.ओ. व सी.एम.ओ. को दिए। शासन की मंशानुसार इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निष्पादित करने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज सुबह 10.00 बजे से आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत किसी भी पात्र हितग्राही को नहीं लौटाएं। अगर उनके पास बैंक खाता नहीं भी है, तो खाता खुलवाकर ऑनलाइन प्रविष्टि पूर्ण करें। उन्होंने तकनीकी समस्याएं दूर करते हुए संबंधित विभागों के समन्वय से लक्ष्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने राशन कार्ड नवीनीकरण की जिले में स्थिति के बारे में पूछा। इस पर खाद्य अधिकारी ने बताया कि अब तक 69 प्रतिशत कार्ड का नवीनीकरण पूर्ण हो चुका है, जो प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। साथ ही यह भी बताया कि बचे हुए हितग्राहियों को पीडीएस सेंटर में बुलवाने पंचायतों में लगातार मुनादी कराई जा रही है। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भानुप्रतापपुर में औचक निरीक्षण के दौरान अनेक अनियमितताएं पाई गईं। कुछ रिकॉर्ड दुरूस्त नहीं मिले, वहीं व्यवस्थाएं भी लचर मिलीं।

प्रधानमंत्री आवास योजना : 986 आवासगृहों का आबंटन करने जा रहा है निगम

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत दादरखुर्द में बनाए गए आवासगृहों में से 986 मकानों का आबंटन निगम करने जा रहा है, जिनके पास अपना स्वयं का मकान नहीं है तथा जो किराये के मकान में रह रहे हैं, उन्हें अपना स्वयं का मकान पाने का यह बेहतर अवसर है, मकान पाने के लिए 26 फरवरी के पहले-पहले अपने आवेदन निगम में जमा करा सकते हैं। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना '' मोर मकान-मोर आस '' अंतर्गत दादरखुर्द बस्ती के समीप 2784 आवासगृहों (फ्लैट) का निर्माण कराया गया है, 2784 आवासगृहों की उक्त विशाल आवासीय कालोनी में सड़क, नाली, पानी, बिजली सहित विविध मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं, इसके साथ ही कालोनी में उद्यान व सामुदायिक भवन जैसी सुविधाओं पर भी कार्य किया जाएगा। उक्त आवासगृह फ्लैट के रूप में बने हुए हैं तथा भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल एवं तृतीय तल में स्थित हैं। उक्त आवासीय कालोनी में पूर्व में 174 आवासगृह पात्र हितग्राहियों को आबंटित कर दिये गये थे, अब पुन: 986 आवासगृहों का आबंटन निगम करने जा रहा है, इस हेतु निगम द्वारा 26 फरवरी तक इच्छुक लोगों से आवेदन मंगाए गए हैं, मकान लेने के इच्छुक व्यक्ति सम्पूर्ण रूप से भरे हुए अपने आवेदन निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित पी.एम.ए.वाई. शाखा में जमा करा सकते हैं। आमजन की सुविधा के मद्देनजर आयुक्त प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर निगम के मुख्य प्रशासनिक कार्यालय साकेत भवन के प्रवेशद्वार के समीप काउंटर स्थापित किया गया है, मकान प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्ति उस काउंटर पर जाकर आवेदन पत्र का प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं।

प्रभु रामलला के दर्शन कर मंदिर स्थापना के ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे हजारों रामभक्त - किरण सिंहदेव

सदियों की प्रतीक्षा के बाद आए ऐतिहासिक क्षणों से रामभक्तों का मन होगा प्रफुल्लित- श्याम बिहारी जायसवाल

श्रीकंचपनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग संभाग के 20 विधानसभाओं के रामभक्तों को लेकर आस्था स्पेशल ट्रेन दुर्ग रेलवे स्टेशन से दोपहर 12:20 पर रवाना हुई। ट्रेन को कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, दयाल दास बघेल, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, राम मंदिर दर्शन समिति के प्रदेश संयोजक एवं विधायक धरमलाल कौशिक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान विधायक ललित चंद्राकर, गजेंद्र यादव, ईश्वर साहू, भाजपा प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा, भाजपा मीडिया प्रभारी प्रदेश अमित चिमनानी, भाजपा जिला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, महेश वर्मा उपस्थित रहे। यात्रा करने वाले राम भक्त ढोल मंजीरे लेकर जय राम के घोष के साथ श्रद्धा और भक्ति के साथ रवाना हुए। पूरा दुर्ग रेलवे स्टेशन राममय बन गया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की योजना और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रयास से प्रदेश में आस्था स्पेशल ट्रेन की यात्री ट्रेन आज राम भक्तों को लेकर दुर्ग से रवाना हुई। 500 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद यह अविस्मरणीय पल है।

कई पीढ़ियां गुजर गई मंदिर निर्माण और राम लला की स्थापना के इंतजार में लेकिन दर्शन का सौभाग्य तो प्रधानमंत्री ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के इच्छा शक्ति के कारण मिला। किरण सिंह देव ने ट्रेन के सभी कोचों के अंदर जाकर राम भक्तों स्वागत अभिनंदन किया। कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राम के ननिहाल से दर्शनार्थी अपने भांचा के दर्शन को लालायित है। सबके मन में उनके प्रत्यक्ष दर्शन को लेकर उत्सुकता है। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में आस्था स्पेशल ट्रेन अन्य यात्रियों को भी लेकर जाएगी। भाजपा ने चुनाव के पूर्व ही स्पष्ट कर दिया था कि भारतीय जनता पार्टी अपने भांचा राम के दर्शन करवाएगी।

कैबिनेट मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टिया हमेशा हमसे कहती थी मंदिर कब बनवाओगे, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के द्वारा अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कर प्रभु राम की मूर्ति की स्थापना हो चुकी है। प्रभु राम की मनोहर प्रतिमा देखकर मन प्रफुल्लित एवं आनंदित हो जाता है। राम मंदिर दर्शन समिति के प्रदेश संयोजक एवं पूर्व विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि दुर्ग संभाग के 20 विधानसभा के 1344 श्रद्धालु आस्था स्पेशल ट्रेन से अयोध्या के लिए रवाना हुए हैं। आगामी दिनों में प्रदेश के अन्य स्टेशनों से राम भक्त आस्था स्पेशल ट्रेन के माध्यम से रवाना होंगे। उनके आने जाने और रहने और खाने की व्यवस्था ट्रेन मे आईआरसीटीसी के द्वारा की जाएगी और अयोध्या में स्थानीय प्रशासन के सहयोग से सारी व्यवस्थाएं होगी।

स्टेशन में राम मंदिर दर्शन समिति के प्रदेश सह संयोजक वीरेंद्र वास्तव, जिला महामंत्री सुरेंद्र कौशिक, उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार पाध्ये, नटवर ताम्रकार, दिलीप साहू, विनायक नातु, अलका बाघमार, कांतिलाल जैन, मंत्री रोहित साहू, आशीष निंमजे, दीपक चोपड़ा, कार्यालय मंत्री मनोज सोनी, अनूप सोनी, प्रवक्ता दिनेश देवांगन, मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, सह मीडिया प्रभारी राकेश दुग्गड, कार्यालय मंत्री हेमंत नेमा सहित समस्त दुर्ग संभाग के अंतर्गत आने वाले पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

लोगों को हितग्राहीमूलक बैंकिंग सुविधाओं से करें लाभान्वित- कलेक्टर अग्रवाल

श्रीकंचपनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की 40वीं व 41वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर अग्रवाल ने जिले में बैंकिंग गतिविधियों से संबंधित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को हितग्राहीमूलक बैंकिंग ऋण सुविधाओं से लाभान्वित करने के निर्देश सभी बैंकिंग अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर ने बैठक में जिले के सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासकीय विभागों द्वारा प्रकरण प्रेषित किए जाते हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर मार्च 2024 के पहले स्वीकृत करे। कलेक्टर ने हितग्राहीमूलक आवेदनों को शाखा लेवल में लंबित नहीं रखने के निर्देश दिये। कलेक्टर द्वारा जिन बैंक शाखा का ऋण अनुपात 60 प्रतिशत से कम है उन्हे ऋण अनुपात निर्धारित समय सीमा में पूरा करने को कहा गया। साथ ही प्राथमिकता क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, एमएसएमई ऋण वार्षिक लक्ष्य पूरा करने को कहा गया। कलेक्टर अग्रवाल ने जनकल्याणकारी योजनाओं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने बैंक शाखा स्तर ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पंजीयन करने के निर्देश दिये। बैठक में नाबार्ड द्वारा जिले के संभाव्यतायुक्त ऋण योजना के संबंध में बुकलेट का भी विमोचन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, एलडीओ रायपुर पी. गोपीनाथ, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड प्रीयब्रत साहू, अग्रणी बैंक प्रबंधक मोहम्मद मोफिज, महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग, मछलीपालन, डीपीएम एनआरएलएम, प्रतिनिधि राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, खादी ग्रामोद्योग, आदिवासी स्वरोजगार एवं अंत्योदय स्वरोजगार विभाग के अधिकारी एवं विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

कलेक्टर अग्रवाल ने बैठक में राष्ट्रीय आजीविका मिशन, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, जिला अंत्योदय स्वरोजगार योजना, जिला व्यापार उद्योग केंद्र, मत्स्य पालन से संबंधित स्वीकृति और वितरण की जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री जनधन योजना अंतर्गत खोले गये बैंक खातों में आधार सीडिंग तथा रूपे कार्ड वितरण के प्रगति की समीक्षा की। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की प्रगति, अंत्यावसायी स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, पीएम स्वनिधि योजना की जिले में प्रगति की समीक्षा कर हितग्राहियों को लाभान्वित करने के आवश्यक निर्देश दिये।

वायुसेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन की तिथि में हुई वृद्धि

श्रीकंचपनपथ न्यूज

गरियाबंद। भारतीय वायुसेना में अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन की तिथि में वृद्धि की गई है। ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन की अंतिम तिथि 11 फरवरी 2024 तक निर्धारित की गई है। ऑनलाइन पंजीयन वेबसाइट डब्ल्यू डब्लयू डब्ल्यू डॉट अग्निपथवायु डॉट सीडीएसी डॉट इन पर की जा सकती है। विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। साथ ही जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में भी सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार से प्राप्त जानकारी अनुसार भारतीय वायुसेना में अग्निवीर भर्ती हेतु आवेदक की साईंस विषय (गणित समूह) के लिए शैक्षणिक योग्यता 102/समकक्ष परीक्षा किसी भी मान्यता प्राप्त संस्था या बोर्ड से गणित, भौतिकी एवं अंग्रेजी विषयों के साथ 50 प्रतिशत अंकों के साथ एवं अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंक अथवा इंजीनियरिंग में 3 वर्ष का डिप्लोमा कोर्स किसी भी मान्यता प्राप्त संस्था से 50 प्रतिशत अंकों के साथ तथा अंग्रेजी में 50 प्रतिशत (मैकेनिकल/ इलेक्ट्रिकल/ आटोमोबाइल इलस्ट्रूमेंटेशन इन्फोरमेशन टेक्नॉलॉजी) अथवा अव्यावसायिक कोर्सों के साथ 2 वर्ष का व्यावसायिक कोर्स भौतिकी या गणित विषयों में 50 प्रतिशत अंको के साथ तथा अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंक किसी भी मान्यता प्राप्त संस्था से अथवा किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 या समकक्ष परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों के साथ जिसमें अंग्रेजी उत्तीर्ण होना आवश्यक है। किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 या समकक्ष परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों से एवं अंग्रेजी में 50 अंको के साथ उत्तीर्ण होना होगा।

पीएमश्री स्कूल पीव्ही-86 में मेगा हेल्थ कैम्प 10 को

कांकेर। जिले में नवीन उन्नयित पीएमश्री स्कूलों में शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य जांच हेतु मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जाएगा, जिसके तहत पीएमश्री शासकीय प्राथमिक विद्यालय पी.व्ही. 86 विकासखंड कोयलीबेड़ा में 10 फरवरी को स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेगा हेल्थ कैम्प हेतु शिविर का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी भुवन जैन ने बताया कि शिविर में छात्र-छात्राओं के सामान्य स्वास्थ्य जांच, ऊंचाई, वजन, रक्तचाप, दंत चिकित्सा, देखभाल, आंखों की जांच, टीकाकरण, विशिष्ट स्वास्थ्य जागरूकता हेतु शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विकासखंड चिकित्सा अधिकारी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहेंगे।

बस्तर को 31 मार्च से मिलेगी हर दिन इंडिगो विमान की सेवा

श्रीकंचपनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर वासियों को अलाइंस विमान सेवा के साथ साथ अब 31 मार्च 2024 से इंडिगो विमान सेवा की प्रचलन प्रारंभ होने से वायु परिवहन सेवा में सुविधाएं बढ़ जाएगी। इंडिगो की विमान प्रतिदिन हैदराबाद से जगदलपुर और रायपुर जाएगी तथा उसी दिन रायपुर से जगदलपुर होते हैदराबाद वापस हो जाएगी। कलेक्टर एवं चेयरमैन मां दन्तेश्वरी एयरपोर्ट विजय दयाराम के. ने सुचारू विमान सेवा संचालन हेतु बुधवार को एयरपोर्ट में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में बीसीएएस द्वारा दिए गए सुझाव को एसपी शलभ सिन्हा को अवगत कराया गया। नगरीय क्षेत्र में एयरपोर्ट के रनवे के दोनों तरफ की एप्रोच पाथ (हाईवे एवं बोघघाट) में 15 किलोमीटर के क्षेत्र तक किसी भी प्रकार की 'हाईराइस भवन' बनाने की अनुमति प्रदान नहीं करने हेतु नगर निगम को कहा गया, साथ ही भवन निर्माता को एयरपोर्ट एथॉरिटी ऑफइंडिया के एनओसी शाखा से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

एयरपोर्ट में निर्माणाधीन विकास कार्यों में रनवे, एप्रोन, टैक्सी वे में मार्किंग एवं केक फिलिंग का कार्य सहित ऑप्सटेकल मार्किग, हेलीकाप्टर पार्किंग तथा एप्रोन के समीप एप्रोन स्ट्रीप का कार्य प्रगति पर है।

नाम परिवर्तन

मैं योगिता अग्रोहिया उम्र 29 साल पति संदीप कुमार पता 34, वार्ड-7, गायत्री मंदिर, सिहोरा जबलपुर मध्यप्रदेश की निवासी हूँ। मेरे पुत्री काव्या अग्रोहिया (KAVYA AGROHIA) जिसका जन्म दिनांक 21.11.2020 को हाई टेक सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटी प्रा. लि. भिलाई में हुआ है जिसके पिता का नाम संदीप कुमार एवं माता का नाम योगिता अग्रोहिया है । जिसका जन्म प्रमाण पत्र नगर पालिक निगम भिलाई से जारी किया गया है। मेरे पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र कार्यालय नगर पालिक निगम भिलाई से जारी किया गया है जिसका पंजीकरण संख्या B - 2021: 22-90711-000911 दिनांक 18.02.2021 है। यह कि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम खाव्या अग्रोहिया (KHAVYA AGROHIA) दर्ज है। यह कि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम ओम काव्या अग्रोहिया (KAVYA AGROHIA) दर्ज करने के समर्थन में यह शपथपत्र सक्षम प्राधिकारी के सक्षम प्रस्तुत करना है अत: शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

आम सूचना

कन्हैय्या इलेक्ट्रिकल एंड इंजीनियरिंग वर्क्स, जिसका पंजीकरण नंबर 222202379511 है, एतद्द्वारा एक नए भागीदार के प्रवेश और एक मौजूदा भागीदार की सेवानिवृत्ति की घोषणा करता है। विवरण निम्नानुसार है:

पार्टनर का प्रवेश: श्री ऋषभ गुप्ता को 18 जनवरी 2024 से भागीदार के रूप में शामिल किया गया है।

पार्टनर की सेवानिवृत्ति: श्री व्यास मरकाम, एक भागीदार ने 18 जनवरी 2024 से साझेदारी से सेवानिवृत्त होने का निर्णय लिया है।

साझेदारी परिवर्तन साझेदारी विलेख के नियमों और शर्तों के अनुसार हैं। व्यवसाय कन्हैय्या इलेक्ट्रिकल एंड इंजीनियरिंग वर्क्स के नाम और शैली के तहत संचालित होता रहेगा। किसी भी पूछताछ या अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमसे 6265599223 पर संपर्क करें और हमें kanhaiyaelectrical2022@gmail.com पर मेल करें।

मुख्य न्यायाधीश सिन्हा ने जिला सत्र न्यायालय जगदलपुर का किया वर्चुअल निरीक्षण

श्रीकंचपनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा द्वारा आज जिला एवं सत्र न्यायालय बस्तर, जगदलपुर का वर्चुअल निरीक्षण किया गया। मुख्य न्यायाधीश ने लंबित प्रकरणों विशेषकर पुराने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु निर्देशित किया। ऐसे लंबित प्रकरण जिनमें मध्यस्थता हो सकती है उन्हें मध्यस्थता के माध्यम से शीघ्र निराकरण हेतु भी निर्देशित किया।

इस अवसर पर न्यायाधीश एन.के. व्यास भी उपस्थित रहे जो कि जिला जगदलपुर के पोर्टफोलियो जज भी हैं। मुख्य न्यायाधीश सिन्हा ने न्यायालय परिसर में स्थित प्राथमिक उपचार केन्द्र का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध दवाईयों की जानकारी ली। उन्होंने जिला न्यायाधीश को ऐसी व्यवस्था बनाने हेतु निर्देशित किया कि प्रतिदिन प्राथमिक उपचार केन्द्र में कुछ घंटों के लिए चिकित्सक उपलब्ध रहें। उन्होंने सभी न्यायाधीशों को निर्देशित किया कि कार्य का स्वस्थ माहौल सुनिश्चित करें तथा जिला न्यायाधीश को निर्देशित किया कि न्यायालय परिसर का निरंतर निरीक्षण करते रहें। मुख्य न्यायाधीश सिन्हा द्वारा सर्वप्रथम न्यायालय भवन का निरीक्षण किया गया। न्यायालय परिसर, पार्किंग, केन्टिन इत्यादि में साफ-सफाई के साथ इन स्थानों को व्यवस्थित रखने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने परिसर में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायालय परिसर में चल रहे मरम्मत कार्यों की भी जानकारी ली और इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु संबंधितों को निर्देशित किया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम, अधिवक्ता कक्ष, मीडिएशन सेंटर, सूचना केन्द्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा लोक अभियोजन कार्यालय का भी निरीक्षण किया तथा भवन की आधारभूत संरचना पर संतुष्टि व्यक्त की। मुख्य न्यायाधीश श्री सिन्हा ने अधिकारियों व कर्मचारियों के अवकाश के संबंध में भी निर्देशित किया कि अवकाश की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए ही अवकाश प्रदान करें। अधिकारी व कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करें।

खास खबर

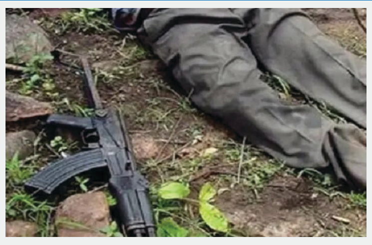

पुलिस नक्सली मुठभेड़ में हार्डकोर नक्सली ढेर, 8 लाख रुपए का था इनाम

सुकमा। नक्सलियों के खिलाफ अभियान में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। डीआरजी, सीआरपीएफ और बस्तर फाइटर की संयुक्त टुकड़ी ने हार्डकोर नक्सली को ढेर कर दिया है। पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ सुकमा व दंतेवाड़ा सीमा पर बुधवार शाम को हुई। मारे गए हार्डकोर नक्सली का नाम चन्द्रन्ना उर्फ सत्यम है। चंद्रन्ना जगरगुंडा एरिया कमेटी में सक्रिय था। इस पर 8 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस ने मौके से शव, हथियार समेत अन्य सामान बरामद किया है।

दरअसल पुलिस को सूचना मिली थी कि गोंदपल्ली, परलागट्टा और बड़ेपल्ली गांव के जंगल में बड़ी संख्या में हथियारबंद नक्सली मौजूद हैं। सूचना के आधार पर दंतेवाड़ा से डीआरजी, सीआरपीएफ और बस्तर फाइटर की संयुक्त टुकड़ी को बुधवार की सुबह रवाना किया गया। नक्सलियों को घेरने से पहले की फायरिंग शुरू हो गई। शाम 4:30 बजे से लगभग 35 मिनट तक फायरिंग चली। जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग गए। मुठभेड़ रुकने के बाद सुरक्षाबलों ने सर्चिंग शुरू की। सर्चिंग के दौरान चन्द्रन्ना उर्फ सत्यम का शव बरामद किया गया। कई वारदातों में शामिल चंद्रन्ना पर 8 लाख रुपए का इनाम था।

बस ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौके पर तीन की मौत, एक की हालत गंभीर

रायपुर। रायपुर में तेज रफ्तार बस ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मारी। इस हादसे में 3 बाइक सवारों की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक की हालत गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। यह पूरा मामला अभनपुर थाना क्षेत्र का है, जहां तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार को अपने चपेट में लिया है।

जानकारी के अनुसार, रायपुर से बस तेज रफ्तार में बैलाडीला की ओर जा रही थी। वहीं एक बाइक पर चार युवक सवार होकर आ रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच हादसा हुआ। इससे तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक गंभीर रूप से घायल है, जिसका उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, हादसे में शिकार हुए मोहित साहू, राजू सिंह, सागर यादव है। वहीं घायल युवक का नाम जशदीप पाल बताया जा रहा है। सभी अभनपुर के बताए जा रहे हैं। देर रात काम से लौटने के दौरान हादसा हुआ है। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया।

भिलाई की श्रृंखला यादव हत्याकांड के दोषी को 20 साल का कारावास

टूयूशन जाते समय किया था हमला, एकतरफा प्यार में दिया था वारदात को अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के बहुचर्चित श्रृंखला यादव हत्याकांड के दोषी को आखिरकार कोर्ट से सजा मिली। दुर्ग कोर्ट ने आरोपी इशान ठाकुर को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। 56 माह से ज्यादा चली कानूनी लड़ाई में आखिरकार श्रृंखला की मां ममता यादव को न्याय मिला। आरोपी इशान ठाकुर श्रृंखला से एकतरफा प्यार करता था और इसी जुनून में उसने इतने बड़े हत्याकांड को अंजाम दिया। घटना के बाद पूरा शहर आक्रोशित हो गया और आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग करने लगा।

बता दें यह घटना 13 जून 2019 की है। 13 जून 2019 की दोपहर 3 बजे जब वो स्कूटी से सिविक सेंटर पढ़ने के लिए जा रही थी, तभी पहले से उसका पीछा कर रहे ईशान ठाकुर ने घर से करीब एक किलोमीटर दूर उसका रास्ता रोका। इस दौरान वह जबरन प्यार का इजहार करने लगा मना करने पर उसने और श्रृंखला के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में श्रृंखला का सिर फट गया और उसका एक हिस्सा बाहर आ गया। इसके बाद आरोपी उसे सड़क पर घसीटते हुए झाड़ियों में ले गया और फिर वहीं फेंक कर भाग गया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और श्रृंखला को रायपुर के निजी अस्पताल में दाखिल कराया।

दो सप्ताह तक लड़ी थी जिंदगी की जंग

दो सप्ताह तक चले इलाज के बाद भी श्रृंखला को बचाया नहीं जा सका। इसके बाद पुलिस ने आरोपी इशान ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को नाबालिग बताते हुए पुलिस ने उसे बाल सुधार गृह भेज दिया था। पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ मृतका श्रृंखला यादव की मां ने मोर्चा खोल दिया। इस दौरान पूरा शहर श्रृंखला को न्याय दिलाने सड़क पर उतरा। लोगों ने प्रदर्शन किए और पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की। लोगों का कहना था कि जिस आरोपी को पुलिस ने नाबालिग बताया वह बालिग है और पूरी प्लानिंग के साथ इस घटना को अंजाम दिया।

कैंडल मार्च निकालकर लोगो ने की थी कड़ी सजा की मांग

लोगों ने कैंडल मार्च किए और आरोपी इशन ठाकुर के लिए फांसी की सजा की मांग की। इस दौरान शहर कोई कोना नहीं बचा जहां श्रृंखला के आरोपी को सजा देने की मांग नहीं की गई हो। यही नहीं अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए श्रृंखला की मां ममता यादव ने लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। जिस आरोपी को पुलिस ने नाबालिग बताकर बाल सुधार गह भेजा था वह घटना के समय नाबालिग था। मृतका श्रृंखला की मां ने इसे साबित कर दिया। लंबी चली अदालती कार्रवाई के बाद बुधवार को दुर्ग न्यायालय ने आरोपी ईशान को धारा 302, 201 और पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी पाया और उसे 20 साल कैद की सजा सुनाई।

दिव्यांग देवर ने जंगल में भाभी की गला दबाकर कर दी हत्या

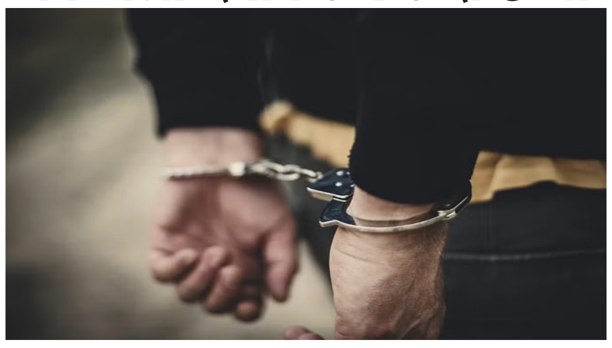

■ ममेरे भाई के साथ मिलकर शव के साथ किया सामूहिक दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। राजपुर थाना क्षेत्र के गेउर हरितमा बांसवाडी जंगल में महिला की हत्या का मामला सामने आया था। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। महिला का देवर ही आरोपी है। नाबालिग दिव्यांग देवर ने अपने ममेरे भाई के साथ मिलकर रस्सी से गला घोटकर महिला की हत्या की थी। इसके बाद दोनों ने बारी-बारी से महिला के शव के साथ दुष्कर्म भी किया।

बता दें कि गेउर हरितमा बांसवाडी जंगल में 31 जनवरी को एक महिला की लाश मिली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर महिला की हत्या करना और शव से दुष्कर्म करने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने महिला के मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवाई तो वारदात वाले दिन उसके मोबाइल पर पति के नाबालिग दिव्यांग भाई और एक दूसरे नंबर से 15 बार कॉल होना पाया गया।

जांच में दूसरा नंबर पति के ममेरे भाई का था। पुलिस ने पति के में ममेरे भाई से कड़ाई से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हो गया। उसने बताया की हत्या का मास्टरमाइंड महिला का 17 साल का नाबालिक देवर है। वह दिव्यांग है और आंखों से कम दिखता है, उसी ने योजना बनाकर मुझे शामिल किया। फिर दोनों ने हत्या को अंजाम दिया। इस पर पुलिस ने मृतका के नाबालिक देवर को गिरफ्तार कर लिया। मामले में पुलिस ने एक बालिक आरोपी को जेल तथा नाबालिक दिव्यांग को बालक सुधार गृह भेजा है।

जंगल में व्यवसायी का मिला अधजला शव, बेटे के कॉल करने के बाद स्विच ऑफ हुआ फोन, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। रामानुजगंज नगर के वार्ड क्रमांक 7 के निवासी होटल व्यवसायी धर्मेंद्र केसरी (40) का अधजला शव बुधवार रात नौ बजे के करीब सिंदूरी नदी के पास सोनहरा जंगल से बरामद हुआ। मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य धीरज सिंह देव, मनीष सिंह सहित अन्य लोग पहुंचे, जिनके द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

जानकारी के अनुसार, होटल व्यवसायी धर्मेंद्र केसरी अपनी बाइक से 5 फरवरी की शाम को घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंचे। इसके बाद परिजन परेशान हो गए और खोजबीन शुरू कर दी। दूसरे दिन भी शाम तक घर नहीं आने के बाद परिजनों ने बलरामपुर कोतवाली थाने में गुमशुदा की रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजन एवं पुलिस खोजबीन कर ही रही थी, इस बीच सूचना मिली कि सिंदूरी नदी के पास एक अधजला शव मिला है। मौक पर पहुंची पुलिस और अन्य लोगों ने शव की शिनाख्त धर्मेंद्र केशरी के रूप में की।

घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह बुधवार सुबह घटनास्थल पर पहुंचे। डॉग स्क्वॉयड की टीम औक एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि विभिन्न पहलुओं पर बहुत ही सूक्ष्मता से से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का पता चल सकेगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि धर्मेंद्र शाम को अपनी दुकान में सब्जी पहुंचाकर निकाला था, जिसके बाद दुकान में ग्राहक आने के बाद उसके 10 वर्षीय पुत्र के द्वारा फोन भी किया गया कि पापा जल्दी आइए दुकान में ग्राहक हैं। इसके बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। वहीं, उसी दिन सात बजे के करीब धर्मेंद्र के द्वारा एक पेट्रोल पंप में तेल भी भरवाया गया था। युवा व्यवसायी की मौत की खबर नगर में शोक की लहर है।

कोरबा में रेलवे फाटक को तोड़ने वाला आरोपी बिहार से गिरफ्तार, 21 साल से था फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। आरपीएफ ने 2003 से फरार एक आरोपी को बिहार से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी बहुत ही शातिर है। वह रेलवे पुलिस को चकमा देकर पिछले कई वर्षों से फरार चल रहा था। वारंटी आरोपी उपेंद्र सिवान जिले के पचरूखी थाना क्षेत्र के जसौली पश्चिम टोला का रहने वाला है। आरोपी उपेंद्र कोरबा जिले के हीरापुर टाटीबंध के पास थाना बुढातालाब रायपुर में रहकर ड्राइवर का काम करता था। वह किराए के मकान में रहता था।

जानकारी के अनुसार, उपेंद्र ने कई साल पहले भैंसमा बंद फाटक को क्षतिग्रस्त कर दिया था, जहां एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया था। इस घटना के बाद से आरोपी ट्रक छोड़कर फरार हो गया था। कोरबा रेलवे आरपीएफ पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। काफी लंबे समय बाद उसके मूल निवास बिहार से रेलवे आरपीएफ पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है।

पुलिस उसे पकड़ने के लिए कई बार रायपुर स्थित किराए के मकान पर पहुंची। इसके बावजूद भी उसके मूल निवास का पता नहीं चल पा रहा था। कोरबा रेलवे आरपीएफ को मुखबिर से सूचना मिली कि उपेंद्र किसी काम से रायपुर आया हुआ था और बिहार में कहीं दूसरी जगह पर नाम बदलकर रहता है। कोरबा रेलवे आरपीएफ को इसकी सूचना मिली और टीम बनाकर बिहार के लिए रवाना की गई। कोरबा रेलवे आरपीएफ ने उसे बिहार से गिरफ्तार किया है।

टीचर के टॉर्चर से परेशान छठी की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

■ सुसाइड नोट बरामद, दो शिक्षिकाओं पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। अंबिकापुर में एक छात्रा ने मंगलवार की रात कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह रिंग रोड नमनाकला स्थित एक नामचीन मिशन स्कूल में कक्षा छह में पढ़ती थी। आत्महत्या से पहले अंग्रेजी में एक सुसाइड नोट भी लिखा। इसमें स्कूल की दो शिक्षिकाओं पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। छात्रा ने सुसाइड नोट में लिखा कि 'मर्सी सिस्टर का बुरी और डेंजरस हैं और वह टॉर्चर करती है। मेरे पास मरने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

वहीं, घटना से आक्रोशित भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने स्कूल कैंपस के बाहर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। उन्होंने स्कूल की प्रिंसिपल व शिक्षिका के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। वहीं, अभिभावक संघ भी काफी आक्रोशित नजर आए और अध्यक्ष निलेश सिंह की अगवानी में उन्होंने एसपी ऑफिस पहुंचकर दोषी शिक्षिकाओं की तत्काल गिरफ्तारी एवं एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए।

नवनियुक्त एसपी विजय अग्रवाल एसपी कार्यालय पहुंचे और अभिभावक संघ की बात सुनाने लगे। अभिभावक संघ ने विस्तृत रूप से पूरी घटना बताई और छात्रा के सुसाइड नोट के अनुसार प्रताड़ित करने वाली दोनों शिक्षिकाओं के ऊपर तत्काल एफआईआर कर गिरफ्तारी की मांग की। एसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि मामले में अभी मुकदमा दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद एवं छात्रा के सुसाइड नोट की हैंड राइटिंग मिलाने के बाद मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल शिक्षिका पर कई दिनों से प्रताड़ित करने का आरोप

जानकारी के मुताबिक, शहर के दर्रीपारा निवासी इंजीनियर आलोक कुमार सिन्हा की 12 वर्षीय इकलौती बेटी अर्चिशा सिन्हा शहर के कार्मेल स्कूल में कक्षा छह की छात्रा थी। उसने मंगलवार की रात करीब 11 बजे अपने कमरे में पंखे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने स्कूल की शिक्षिका पर कई दिनों से प्रताड़ित व कक्षा में दोस्तों के सामने अपमानित करने का आरोप लगाया है। आत्महत्या करने से पहले छात्रा ने सुसाइड नोट में लिखा कि 'मर्सी सिस्टर ने उसका आईकार्ड छीना। वह बहुत ज्यादा पनिशमेंट देती हैं। अब मेरे पास मरने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। मैं सिस्टर से बदला लूंगी, वह बहुत बुरी और डेंजरस हैं। प्लीज मेरे जितने भी दोस्त हैं, उन्हें पनिशमेंट न दें। सिस्टर मर्सी व सिस्टर जीवा पढ़ाती भी हैं और टॉर्चर भी करती हैं।

घटना के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच की। मृतक छात्रा द्वारा लिखे गए सुसाइड नोट और छात्रा के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आरोपी शिक्षिका के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया गया। अपराध दर्ज होने के बाद आरोपी शिक्षिका सिस्टर मर्सी को बुधवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद आरोपी शिक्षका को कोर्ट में पेश कर वहां से जेल भेज दिया गया।

काफी होनहार व पढ़ाई में थी होशियार

परिजनों के अनुसार, छात्रा अर्चिशा पढ़ाई में काफी होनहार थी। वह कक्षा में टॉप 5 में अपना स्थान बना चुकी थी। वह अपने माता-पिता की एकलौती संतान थी। बुधवार की सुबह जब माता-पिता उठे और बेटी के कमरे में जाकर देखा तो उसका शव पंखे से लटका मिला। सूचना पर एएसपी पुपलेश कुमार, कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। छात्रा की मौत से उसके माता-पिता सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कलेक्टर ने जारी किया शो कॉज नोटिस

कलेक्टर ने विद्यालय प्रबंधन एवं प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि संबंधित शिक्षक एवं संस्था का व्यवहार भारतीय दंड संहिता एवं संविधान द्वारा बच्चों को प्रदत्त मौलिक अधिकारों से सर्वथा विपरीत है, जो दंडनीय है। नोटिस में संस्था को प्राप्त अनापत्ति प्रमाणपत्र निरस्त करने का प्रस्ताव शासन को क्यों ना भेजा जाए, इसका कारण बताते हुए तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। संतोषजनक जवाब प्रस्तुत न करने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय राज्य कर संयुक्त आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.)
मालवीय चौक, जेल रोड, दुर्ग (छ.ग.)
Email-ID jcgstdurg@gmail.com

क्रमांक/सं.आ./राज्य कर/स्टोर्स/2024/209 दुर्ग, दिनाँक 06/02/2024

पुराने शासकीय वाहन की नीलामी निविदा सूचना बाबत

कार्यालय के निम्नांकित निष्प्रयोजित शासकीय वाहन (जो जैसा है उसी स्थिति में) विक्रय करने हेतु मुहरबंद निविदा स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से कार्यालयीन दिवस में अपरान्ह 04:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा के साथ अमानत राशि रू.5,000/- (अक्षरी पाँच हजार रूपये मात्र) का बैंक ड्राफ्ट राज्य कर संयुक्त आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग के नाम से जारी कर संलग्न किया जावे।

क्र.	वाहन का पंजीयन क्रमांक	वाहन का प्रकार	निर्धारित अपसेट मूल्य	वाहन जहाँ रखा गया है
1	CG 02 4307	TATA SUMO (Specio)	45,000/-	कार्यालय राज्य कर संयुक्त आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग जीएसटी भवन मालवीय चौक

निविदाकार अपनी निविदा बंद लिफाफे में दिनाँक 13.02.2024 को अपरान्ह 02:00 बजे तक कार्यालय राज्य कर संयुक्त आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग में प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा उसी दिवस अर्थात् दिनाँक 13.02.2024 को अपरान्ह 04:00 बजे कार्यालयीन समय में खोली जावेगी।

निविदा प्रपत्र एवं निविदा की शर्ते किसी भी कार्यालयीन दिवस में कार्यालयीन समय पर कार्यालय राज्य कर संयुक्त आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग के स्टोर कक्ष से प्राप्त की जा सकती है।

जी-07613/3

राज्य कर संयुक्त आयुक्त
दुर्ग संभाग, दुर्ग

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

मृतक के परिजनों को मिली 16 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने दुर्घटना में मृतक के परिजनों को 16 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रेंगाकठेरा तहसील पाटन जिला दुर्ग निवासी रजत बिजौरा की विगत 2 मई 2023 को तालाब में डूबने से मृत्यु हो गयी थी। इसी प्रकार ग्राम रसमड़ा, थाना पुलगांव तहसील व जिला दुर्ग निवासी रामखिलावन सिन्हा की विगत 30 मई 2023 को मिर्गी आने से खदान के पानी में डूबने से मृत्यु हो गयी थी। ग्राम असोगा तहसील पाटन जिला दुर्ग निवासी दानेश्वर गोस्वामी की विगत 17 मार्च 2022 को तालाब में डूबने से एवं सुन्दर नगर उरला तहसील व जिला दुर्ग निवासी रामबाई यादव की विगत 21 मई 2023 को आकाशीय बिजली के संपर्क में आने से मृत्यु हो गयी थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. रजत बिजौरा की पत्नि रोशनी वर्मा को, स्व. रामखिलावन सिन्हा की माता दुलारी बाई सिन्हा को, स्व. दानेश्वर गोस्वामी के पिता द्वारिकापुरी गोस्वामी को एवं स्व. रामबाई यादव के पुत्र गोपाल यादव को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

कलेक्टर ने की जल जीवन मिशन की समीक्षा

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज कलेक्टर कक्ष में जल एवं स्वच्छता मिशन के अंतर्गत जिले में जल जीवन मिशन की समीक्षा की। उन्हांने कहा कि शासन की मंशानुरूप हर-घर नल कनेक्शन के माध्यम से जल प्रदाय किया जाना है। इसके तहत् सभी ग्राम पंचायतों में योजना अंतर्गत कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। कलेक्टर चौधरी ने मिशन के अंतर्गत अधिकारी-कर्मचारियों से उनके द्वारा कराये जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा अब तक हुए कार्यों पर असंतोष व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड भ्रमण कर कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों को अंतिम नोटिस देने की कार्यवाही कर, ठेके को निरस्त कर, नई निविदा आमंत्रित करने कहा। कलेक्टर ने मिशन से जुड़े सभी उपयंत्री को अब तक हुए कार्यों का ग्रामवार अद्यतन भौतिक स्थिति का अवलोकन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधूरे पानी टंकी निर्माण कार्य प्रारंभ कराये। पुराने एडजस्टिंग पाईप लाईन जो नल-जल योजना के तहत लगी है इसकी जांच करा लेवें, खराब होने पर प्रतिस्थापित करें। उन्होंने कहा कि शिवनाथ नदी में इंटकवेल निर्माण कार्य रूकना नहीं चाहिए। कार्य में प्रगति लाने वर्क चार्ट बनायी जाए। साथ ही वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पाईप लाईन विस्तार का कार्य भी शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि तकनीकी स्थान का ध्यान रखते हुए काम निरंतर चलते रहना चाहिए। कलेक्टर ने ईई पीएचई को जल जीवन मिशन अंतर्गत पैनलबध क्रियान्वयन सहायता एजेंसी की बैठक आयोजित कर एक सप्ताह की कार्य ब्रीफिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल परीक्षण प्रयोगशाला की जानकारी ली। उन्होंने जिले की पानी टंकियों की सफाई व क्लोरीनेशन बारिश पूर्व कर लेने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिले की 385 ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत नल कनेक्शन दिया गया है।

तीन दिनों में 12 हजार 7 सौ महिलाओं ने महतारी वंदन के लिए जमा किया आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आरंभ की गई महतारी वंदन योजना के लाभ के लिए तीसरे दिन भी बड़ी संख्या में आवेदन भरने का सिलसिला जारी रहा।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने शिविर में पहुँचकर हितग्रहियो से मुलाकात कर उनसे चर्चा की और शिविर में लगे योजनाओं के स्टाल में बैठक कर्मचारियो से बात कर फार्म की जानकारी लेते हुए रजिस्टरों की जांच की।नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत महतारी वंदन योजना को लेकर निगम द्वारा तीसरे दिन भी अलग अलग जगहों पुलगांव वार्ड क्रमांक 55 एवं जेआरडी स्कूल वार्ड क्रमांक 39 के अलावा शहर क्षेत्र के 222 आंगनबाडियो में बड़ी संख्या में आवेदन भरने का सिलसिला आज दिनभर जारी रहा।

इस योजना के तहत तीन दिनों में 12 हजार 7 सौ आवेदन महिलाओं ने जमा किये।जानकारी के मुताबिक अब तक कुल 45 हजार फार्म बाटे गए है।शहर में हर तरफ महतारी वंदन का माहौल है।आवेदन भरने को लेकर शहर क्षेत्र में अलग-अलग कैंपों में महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी है।इस योजना के लाभ को लेकर महिलाओं में बेहद उत्साह है।महिलाओं का कहना है कि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से हर महीने मिलने वाली एक हजार रूपए की राशि से वह अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होंगी।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि फार्म फ्री है।आंगनबाड़ी केंद्रों में फार्म भेजे गए हैं।वहीं जमा भी कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में सुबह 9 से शाम 4 बजे तक फार्म जमा होंगे।आगे जल्द डोर-टू-डोर फार्म भराए जाएंगे।जिसकी तैयारी चल रही है।उन्होंने ये भी कहा विवाह प्रमाण पत्र नहीं है,तो राशन कार्ड,आधार,वोटर आईडी में पति का नाम होता है।इससे काम चल जाएगा।किसी भी हितग्राहियों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण की दिशा में आर्थिक स्वावलंबन,उनके स्वास्थ्य व पोषण स्तर में सुधार,परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना लागू की गई है।इस योजना के तहत पात्र विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपए प्रतिमाह डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाएगा।महतारी

वंदन योजना के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू होने के दूसरे दिन भी मंगलवार को बड़ी संख्या में महिलाएं महतारी वंदन योजना से संबंधित फॉर्म लेने और जमा करने के लिए लोक सेवा केंद्रों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में पहुंची।ऑनलाइन फॉर्म एवं ऑफलाइन पंजीयन शुरू है। 20 फरवरी अंतिम तिथि बताया गया है शहर स्तर पर फॉर्म भरने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन पत्र भरने की संपूर्ण प्रक्रिया नि:शुल्क है। आंगनबाड़ी केन्द्र में एवं वार्ड कार्यालय में फार्म भरे जा रहे हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 फरवरी 2024 है। 8 फरवरी दिन गुरुवार को गुरुघासीदास वार्ड 44 सामुदायिक भवन में सुबह 8 बजे से 12 बजे तक एवं रायपुर नाका वार्ड 47 रायपुर नाका चौक में 2 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक शिविर का आयोजन किया जाएगा।

महतारी वंदन योजना के आवेदन के लिए उमड़ी भीड़, दिखा महिलाओं में उत्साह

दुर्ग। महतारी वंदन योजना शासन की महती योजना है। राज्य शासन व्दारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में आर्थिक स्वावलंबन, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सदा सुधार परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना के तहत् जिले में पात्र महिला हितग्राहियों से फार्म जमा करने की प्रकिया आज तीसरे दिन भी जारी रहा। जिसमें महिलाओं में योजना का लाभ लेने के लिए काफी उत्साह भी देखा जा रहा है। अब तक 1 लाख 20 हजार 741 फार्म जमा हुए है। महतारी वंदन योजना का आवेदन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के व्दारा नि:शुल्क वार्ड/ग्राम पंचायत में दिया जा रहा है, वही आवेदिकाओं व्दारा आवेदन पत्र को भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ पुनः आंगनबाड़ी केन्द्रों में जमा किया जा रहा है, जिसे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आवेदनों का सत्यापन कर उसे महतारी वंदना योजना के सॉफ्टवेयर में ऑनलाईन एन्ट्री किया जा रहा है। अब तक 401 फार्म अपडेट हो चुके है। आवेदन को लेकर विभिन्न प्रकार की भ्रांतियां फैलाई जा रही है। फर्जी साइट भी वायरल हो रहा है। हितग्राहियों को सचेत किया गया है कि इस तरह फर्जी साइट में फार्म न भरें।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में महिलाएं काफी संख्या में आवेदन भरने पहुँच रही है। जिले में ऑनलाईन फार्म और ऑफलाईन पंजीयन शुरू हो गया है। जिला स्तर पर फार्म भरने के लिए कार्यशाला का भी आयोजन किया जा रहा है ताकि महिलाओं को फार्म भरने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। जिले के हितग्राही 05 फरवरी से आगामी 20 फरवरी 2024 तक नि:शुल्क आवेदन कर सकते है। महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए पात्र महिलाएं ऑनलाईन पोर्टल तथा मोबाईल एप्प के माध्यम से स्वयं भी आवेदन कर सकती है। इस योजना के तहत फार्म आंगनबाड़ी केन्द्रों, पंचायत स्तर पर, शहरी क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी स्तर पर सहित परियोजना कार्यालय, जिला कार्यालय में उपलब्ध है। तीसरे दिवस भी महतारी वंदन योजना का फार्म भरने महिलाएं उमड़ पड़ी और आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना फार्म भरा। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठाने महिलाओं में जबरदस्त उमंग देखने को मिल रहा है।

बीएसपी द्वारा अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध कार्यवाही जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा, माननीय संपदा न्यायालय के आदेश प्रकरण क्रमांक - 417/2023 के अनुपालन में, 07 फरवरी 2024 को दोपहर 12:30 बजे, नेवई के भू माफिया और अवैध कब्जाधारियों के विरूध्द बेदखली कार्यवाही, भारी पुलिस बल थाना नेवई एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट ढालसिंह बिसेन की उपस्थिति में सम्पन्न की गयी। इस दौरान अवैध कब्जाधारियों द्वारा किये गए अवैध निर्माण/कब्जा को जेसीबी मशीन की सहायता से ढहाया गया। 07 फरवरी 2024 की कार्यवाही में शामिल मशीनरी तथा उपलब्ध मैनपावर की दक्षता का अधिकतम उपयोग करते हुए, इस कार्यवाही में नेवई में लगभग 2.5 एकड़ बीएसपी की भूमि को अवैध कब्जा से मुक्त कराया गया।

इस दौरान किसी भी प्रकार के सामानों की जप्ती नहीं की गयी। कुछ अवैध कब्जेधारियों द्वारा विरोध करने का प्रयास किया गया, किंतु भारी पुलिस बल के सामने उन्हें निराश होना पड़ा। उक्त बीएसपी भूमि पर किए अवैध कब्जा को हटाने की कार्यवाही, भूमि अनुभाग के सर्वेक्षक द्वारा चिन्हांकन के बाद की गयी। उपरोक्त कार्यवाही में एनफोर्समेंट डिपार्टमेंट के अधिकारियों, कर्मचारियों, निजी सुरक्षा गार्डस (महिला सुरक्षा गार्ड सहित), पीएचडी के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, भूमि अनुभाग, पुलिस बल बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस कार्यवाही में उपयोगी जेसीबी मशीन, ट्रेक्टर-ट्राली इत्यादि संसाधनों के साथ लगभग सौ लोगों की टीम शामिल थी। संपूर्ण कार्यवाही का वीडियो रिकॉर्डिंग भी करवाया गया है। एनफोर्समेंट डिपार्टमेंट द्वारा, अवैध कब्जाधारियों, भू माफियाओं और दलालों के विरुद्ध आगे भी कार्यवाही भी जारी रहेगी।

बीएसपी की भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण, अवैध खरीदी एवं बिक्री पाए जाने पर, उसके खिलाफ भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग द्वारा, कड़ी कार्यवाही की जायेगी। साथ ही अवैध कब्जाधारियों का सामान भी जप्त किया जायेगा। संयंत्र प्रबंधन ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा, कि यह कार्यवाही और तेजी से चलाई जायेगी। सभी अवैध कब्जाधारियों को सूचित किया जाता है कि वे शीघ्र ही संयंत्र की भूमि को रिक्त कर दें।

व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम खेल - महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 67 वी राष्ट्रीय शालेय गतका खेल के समापन तथा पुरस्कार वितरण समारोह में महापौर नीरज पाल ने कहा कि खेल व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम हैं इस खेल प्रतियोगिता मे सर्वाधिक अंको के साथ पंजाब प्रांत चैंपियन का खिताब अपने नाम किया है।

इस्पात नगरी भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 के खेल मैदान मे 4 से 7 फरवरी तक चले इस खेल आयोजन मे छत्तीसगढ, विद्या भारती,तेलंगाना,पंजाब, मध्यप्रदेश, झारखंड, गुजरात, दिल्ली,सीबीएससी और असम राज्यो के कुल 261 खिलाड़ी और लगभग 150 आफिसियल्स प्रतियोगिता मे भाग लिए। खेल परिणाम 17 वर्ष बालिका फरी-सोटी टीम खेल गोल्ड मेडल पंजाब (हरमनदीप कौर,मानवीर सिंह, गुरविंदर कौर,प्रभजोत कौर),सिल्वर मेडल छत्तीसगढ (डिम्पल कौर, अविनी मिश्रा,ईशा ध्रुव, अशी लकड़ा) और ब्रांस मेडल सीबीएसई (एकामरप्रीत कौर, जसमीत कौर, मनकिरत कौर) अंडर 17 बालक टीम गोल्ड मेडल सीबीएससी (गुरप्रीत सिंह, अमनप्रीत सिंह, भूपिंदरजीत सिंह),सिल्वर मेडल छत्तीसगढ (अर्शदीप सिंह, हर्षदीप सिंह, मनजोत सिंह, चंद्रशेखर यादव) तथा ब्रांस मेडल झारखंड (वेदांत भारद्वाज, मोहन कुमार पांडेय, रौशन कुमार)अंडर 19 बालक फरी-सोटी टीम गोल्ड मेडल पंजाब कुशालदीप सिंह, अमृतपाल सिंह, गुरधानी सिंह, युवराज सिंह),सिल्वर मेडल छत्तीसगढ (रणवीर सिंह, सोहेल मिरी,निलेश यदू,करनदीप सिंह) तथा ब्रांस मेडल दिल्ली (पवनीत सिंह नारंग, अर्शदीप सिंह, गुरमान सिंह सैनी,गुरजस सिंह) ,अंडर 19 बालिका फरी-सोटी टीम खेल गोल्ड मेडल पंजाब, सिल्वर मेडल छत्तीसगढ और ब्रांस मेडल झारखंड। कार्यक्रम मे शंकराचार्य विद्यालय हुडको और सेजस बालाजीनगर के बच्चो की 12 मासी छत्तीसगढी लोक नृत्य ने सबका मन मोह लिया।अंतिम परिणाम इस प्रकार रहा।

17 वर्ष बालक : प्रथम-सीबीएससी, द्वितीय-पंजाब, तृतीय-दिल्ली

17 वर्ष बालिका: प्रथम-पंजाब , द्वितीय-छत्तीसगढ, तृतीय-सीबीएससी

19 वर्ष बालिका: प्रथम-पंजाब, द्वितीय-छत्तीसगढ़, तृतीय-झारखंड

19 वर्ष बालक : प्रथम-पंजाब, द्वितीय-छत्तीसगढ, तृतीय-मध्यप्रदेश एवं तेलंगाना रहा है।

इस अवसर पर निगम महापौर परिषद के सदस्य सीजू एंथोनी, उप संचालक शिक्षा दुर्ग संभाग प्रवाश बघेल, व्ही नारायण स्वामी, सहायक संचालक क्रीड़ा छत्तीसगढ अनिल मिश्रा, सहायक संचालक क्रीड़ा दुर्ग संभाग कल्पना स्वामी, सहायक क्रीड़ा अधिकारी जिला दुर्ग तनवीर अकील सभी राज्यो के खेल अधिकारी, वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक/ शिक्षिकाएं, खिलाड़ी बच्चे शामिल हुए।। कार्यक्रम का संचालन नरोत्तम साहू और छाया प्रकाश राव ने किया तथा आभार प्रदर्शन उप संचालक शिक्षा दुर्ग जिला अमित घोष ने किया।

इस्पात बाजार में ग्राहकों की नवीनतम आवश्यकता को देखते हुए प्लेट मिल में गुणवत्ता सुधार हेतु व्यापक अनुरक्षण कार्य जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात सयंत्र में वर्ष 1983 में स्थापित प्लेट मिल ने पिछले चार दशकों के दौरान देश के विभिन्न परियोजनाएं और ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए लगभग 34 मिलियन टन प्लेटों का उत्पादन किया। सेल-भिलाई इस्पात सयंत्र ने भारतीय नौसेना के विमानवाहक जहाज आई एन एस विक्रांत और अन्य युद्धपोतों के लिए वांछित ग्रेड के प्लेट का उत्पादन कर आपूर्ति करने के साथ ही उपग्रह प्रक्षेपण वाहनों के लिए विशेष ग्रेड के प्लेटों की रोलिंग भी की है। इसके अलावा सेल-भिलाई ने राष्ट्रीय महत्व के परियोजनाओं हेतु विभिन्न ग्रेडों के प्लेटों का उत्पादन कर आपूर्ति की है।

इस्पात बाजार में ग्राहकों की नवीनतम आवश्यकता को देखते हुए मिल के उन्नयन हेतु रफिंग एवं फिनिशिंग स्टैंड के ज्यामिति में सुधार के लिए 42 दिनों का शटडाउन लिया गया है। यह कैपिटल रिपेयर का कार्य 10 जनवरी 2024 से प्रारंभ किया गया। शटडाउन के दौरान प्लेट मिल में अनुरक्षण से संबन्धित अन्य लंबित और महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पादित किया जा रहा है।

इस दौरान प्लेट मिल के रिहिटिंग फर्नेस का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। मिल में प्लेट की प्रोफाइल में सुधार हेतु दोनों लेवेलर का तथा प्लेट की एड्ज की गुणवत्ता में सुधार हेतु पहली बार क्रास कट शियर -1 का नवीनीकरण किया जा रहा है। बढ़ते डिस्पैच के अनुरूप शिपिंग एरिया में क्रेन न 26 एवं 29 का नवीनीकरण किया जा रहा है। साथ ही एल टी रेल तथा एम टी एल का प्रतिस्थापन तथा लाइन न. 409 बी का विस्तारीकरण किया जा रहा है। प्लेट मिल में पहली बार 25 मीटर की ऊंचाई पर स्थित 2000 मि मी व्यास के गैस पाइप लाइन को भी बदला जा रहा है।

उपरोक्त कार्यों के पश्चात प्लेट की उत्पादन प्रक्रिया में बढ़ोत्तरी एवं गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित होगा। साथ ही ग्राहकों के आवश्यकता के अनुसार प्रोडक्ट रेंज में वृद्धि होगी। विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा शॉप फ्लोर पर पहुंचकर इस कार्य में लगे टीम के साथ निरंतर संवाद कर सुरक्षा के मानकों को ध्यान में रखते हुए कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस लंबे कैपिटल रिपेयर की एकरसता से उबरने एवं लोगों में नई ऊर्जा के संचार हेतु समस्त अधिकारियों के लिये प्लेट मिल सभागार में ब्रह्माकुमारी बहनों के सौजन्य से स्ट्रेस मैनेजमेंट सत्र का आयोजन किया गया। स्ट्रेस मैनेजमेंट सत्र को ब्रह्माकुमारी सुश्री प्राची ने संबोधित किया और अपने आतंरिक ऊर्जा को सशक्त कर बेहतर निष्पादन देने हेतु प्रोत्साहित किया।

मनरेगा श्रमिकों ने मनाया रोजगार दिवस

पूरे राज्य में जिला दुर्ग महिलाओं की भागीदारी एवं विकलांग रोजगार देने में अव्वल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में कार्यरत महिलाऐं को रोजगार एवं विकलांग को रोजगार देने में प्रथम स्थान पर है। वित्तीय वर्ष 2023-2024 में कुल महिलाओं मजदूरों की संख्या एक लाख 4 हजार 56 है, जिसमें मानव दिवस 32 लाख 31 हजार 2 सौ 59 महिला मानव दिवस उपलब्ध कराया गया है।

आज सभी पंचायत ग्राम सभा के माध्यम से रोजगार दिवस आयोजित किया गया जिसमें योजना से संबंधित एवं अधिक से अधिक श्रमिकों को मनरेगा अंतर्गत रोजगार देने की जानकारी भी दी गई।

ग्राम पंचायतों में श्रममूलक पर्याप्त कार्य स्वीकृत है, जिसके तहत मांग अनुसार निरंतर श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। मजदूरों को 15 दिवस बैंक खाते के माध्यम से भुगतान करने संबंधी विस्तार से जानकारी दी गई। गौरतलब है कि योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल पंजीकृत परिवार 1 लाख 03 हजार 3 सौ 84 है।

जिसमें से 85 हजार 5 सौ 12 परिवारों को रोजगार दिया जा चुका है। 32 लाख 31 हजार 2 सौ 59 मानव दिवस सृजित किया गया है। वर्तमान में एक हजार एक सौ 10 निर्माण कार्य ग्राम पंचायत में प्रारंभ है। वृक्षारोपण कार्य, डबरी निर्माण, तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण, नवीन पंचायत भवन, आंगनबाडी, उचित मूल्य की दुकान, निर्माण इत्यादि कार्य निरंतर चल रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अश्विनी देवांगन बताया कि रोजगार दिवस के अवसर पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में जिला दुर्ग में 80.08 प्रतिशत महिला मजदूर कार्य कर रही है। सृजित महिला मानवदिवस 23 लाख 17 हजार 37 महिला को कार्य कर रही है। दुर्ग जनपद पंचायत में 84.02 प्रतिशत, धमधा जनपद पंचायत 73.79 प्रतिशत, पाटन जनपद पंचायत 83.32 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950